RNI NO-UPHIN/2023/84340

# सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 13 जुलाई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 113 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र


# मॉनसून बना मुसीबत: कश्मीर में क्लाउडबर्स्ट, उत्तराखंड में सड़कें बंद

## हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर (घाटी) में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया

**देहरानू/जम्मू**

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्य इस समय मानसून और प्राकृतिक आपदाओं की दोहरी मार झेल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर (घाटी) में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। नदियां उफान पर हैं, मुख्य हाईवे से लेकर सैकड़ों लिंक रोड बंद हैं और लोग लगातार मलबे व भूस्खलन के डर के साये में जीने को मजबूर हैं। बिगड़ते हालातों को देखते हुए मौसम विभाग और स्थानीय प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

**कश्मीर:** अनंतनाग और पहलगाम में बादल फटने से तबाही, प्रशासन हाई अलर्ट पर

दक्षिण कश्मीर में प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिला है, जहां दो अलग-अलग प्रसिद्ध इलाकों में अचानक बादल फटने से नदी-नालों में भयंकर सैलाब आ गया।

**अचानक आई बाढ़**

पहली घटना अनंतनाग जिले के चित्रगुल के ऊपरी पर्वतीय इलाकों में हुई, जिससे 'नाला आरपत चित्रगुल शांगस' में अचानक बाढ़ आ गई। इसके तुरंत बाद पर्यटन स्थल पहलगाम के 'नाला आवूरा' में भी बादल फटा, जिससे पानी का स्तर डरावनी तेजी से बढ़ गया।

**होटल और पर्यटकों में अफरातफरी**

मटमैले पानी के तेज बहाव को देखकर निचले इलाकों और तटों पर कुछ समय के लिए घबराहट का माहौल बन गया।

गनीमत रही कि पहलगाम तट पर स्थित प्रमुख होटलों में ठहरे देश-विदेश के सभी पर्यटक सुरक्षित हैं।

**प्रशासनिक मुस्तैदी**

आपदा प्रबंधन, पुलिस और राजस्व विभागों को पूरी तरह सतर्क मोड पर रखा गया है। संवेदनशील और निचले इलाकों में बचाव और निगरानी टीमें तैनात कर दी गई हैं।

### पहलगाम तट पर स्थित प्रमुख होटलों में ठहरे देश-विदेश के सभी पर्यटक सुरक्षित

### उत्तराखंड नदियों का बढ़ता जलस्तर

लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) सड़कों को खोलने की कोशिश में जुटा है, लेकिन लगातार गिरते मलबे से बाधा आ रही है। सबसे बदतर हालात पौड़ी गढ़वाल (21 मार्ग बंद) और चमोली (19 मार्ग बंद) में हैं। इसके अलावा टिहरी में 17 और पिथौरागढ़ में 10 सड़कें बंद हैं। उत्तराखंड में भूस्खलन के कारण संपर्क मार्ग पूरी तरह टूट चुके हैं। राज्य में एक राष्ट्रीय राजमार्ग और दो स्टेट हाईवे समेत कुल 91 मुख्य मार्ग बंद हैं, जिससे आवाजाही ठप हो गई है।राज्य के 11 बांध और बैराजों में जल स्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया है। उत्तरकाशी में भागीरथी नदी, कोटेश्वर-रुद्रप्रयाग में अलकनंदा (बदरीनाथ के पास) का जलस्तर तेजी से बढ़ा, हालांकि बाद में इसमें मामूली कमी दर्ज की गई है।

**उत्तराखंड: 91 सड़कें बंद, 11 बांध और बैराजों में पानी खतरे के निशान के पास**

उत्तराखंड में भूस्खलन के कारण संपर्क मार्ग पूरी तरह टूट चुके हैं। राज्य में एक राष्ट्रीय राजमार्ग और दो स्टेट हाईवे समेत कुल 91 मुख्य मार्ग बंद हैं, जिससे आवाजाही ठप हो गई है।


होटल और पर्यटकों में अफरातफरी

मटमैले पानी के तेज बहाव को देखकर निचले इलाकों और तटों पर कुछ समय के लिए घबराहट का माहौल बन गया।

गनीमत रही कि पहलगाम तट पर स्थित प्रमुख होटलों में ठहरे देश-विदेश के सभी पर्यटक सुरक्षित हैं।

प्रशासनिक मुस्तैदी

आपदा प्रबंधन, पुलिस और राजस्व विभागों को पूरी तरह सतर्क मोड पर रखा गया है। संवेदनशील और निचले इलाकों में बचाव और निगरानी टीमें तैनात कर दी गई हैं।


### हिमाचल: अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी

हिमाचल प्रदेश में भी मानसून की सक्रियता चरम पर है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में राहत की उम्मीद नहीं है।

**12 से 16 जुलाई का पूर्वानुमान**

मौसम विभाग ने 12 से 16 जुलाई तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और मंडी, कुल्लू, कांगड़ा व चंबा जैसे जिलों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

**बिजली गिरने और अंधड़ का अलर्ट**

विशेष रूप से गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और 30 से 40 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। किन्नौर और लाहौल-स्पीति जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी अलर्ट है।

**बीते 24 घंटे का हाल**

राज्य के जोगिंद्रनगर में सर्वाधिक 6 सेमी, मनाली में 5 सेमी और सराहन में 4 सेमी बारिश दर्ज की गई है। सुंदरनगर में अधिकतम तापमान 33 डिग्री तो कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

### दून में बारिश से पुश्ता ढहा, पांच मकान क्षतिग्रस्त, महिला घायल

**देहरादून**

देहरादून में लगातार हो रही बारिश के बीच के पठरिया पीर क्षेत्र स्थित विजय कॉलोनी की नई बस्ती में देर रात एक पुश्ता ढह जाने से चार से पांच मकान क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में एक महिला घायल हो गई, जबकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे पुश्ता ढहने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंचीं। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने भी देर रात घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। मलबे में लोगों के दबे होने की सूचना पर तत्काल खोज एवं राहत अभियान चलाया गया। इस दौरान नई बस्ती निवासी विमला देवी (62) पत्नी स्वर्गीय बृजेश को हल्की चोटें आई हैं। उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य बताई गई।

# पीएम मोदी लाए कूटनीतिक कामयाबी, राहुल रच रहे बंद कमरों में साजिश: भाजपा

**नई दिल्ली**

भाजपा ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया विदेश दौरों का 'रिपोर्ट कार्ड' पेश करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि पीएम मोदी के दौरों से देश को महत्वपूर्ण रणनीतिक, रक्षा और आर्थिक लाभ हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के सेशेल्स, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरों तथा जापान के शीर्ष नेतृत्व की भारत यात्रा का जिक्र करते हुए अपनी प्रस्तुति को "10 कदम, 10 का दम" नाम दिया। पात्रा ने कहा कि भारत हिंद महासागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्रों में एक "स्थिरता की ताकत" के रूप में उभर रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विदेश में मौजूद कांग्रेस नेता बंद कमरों में 'साजिश' रच रहे होंगे।

**वैश्विक नेताओं ने की पीएम मोदी की तारीफ**

पात्रा ने बताया कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मोदी की कई नीतियों को अपनाने की बात स्वीकार की है।

उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि अगर कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री मोदी का थोड़ा सा भी अनुसरण करते, तो वे 99 चुनाव नहीं हारते। इसके अलावा, उन्होंने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम द्वारा मोदी के नेतृत्व में भारत में हुए बदलावों की सराहना का भी उल्लेख किया और विपक्ष को इससे सीख लेने की सलाह दी।


Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

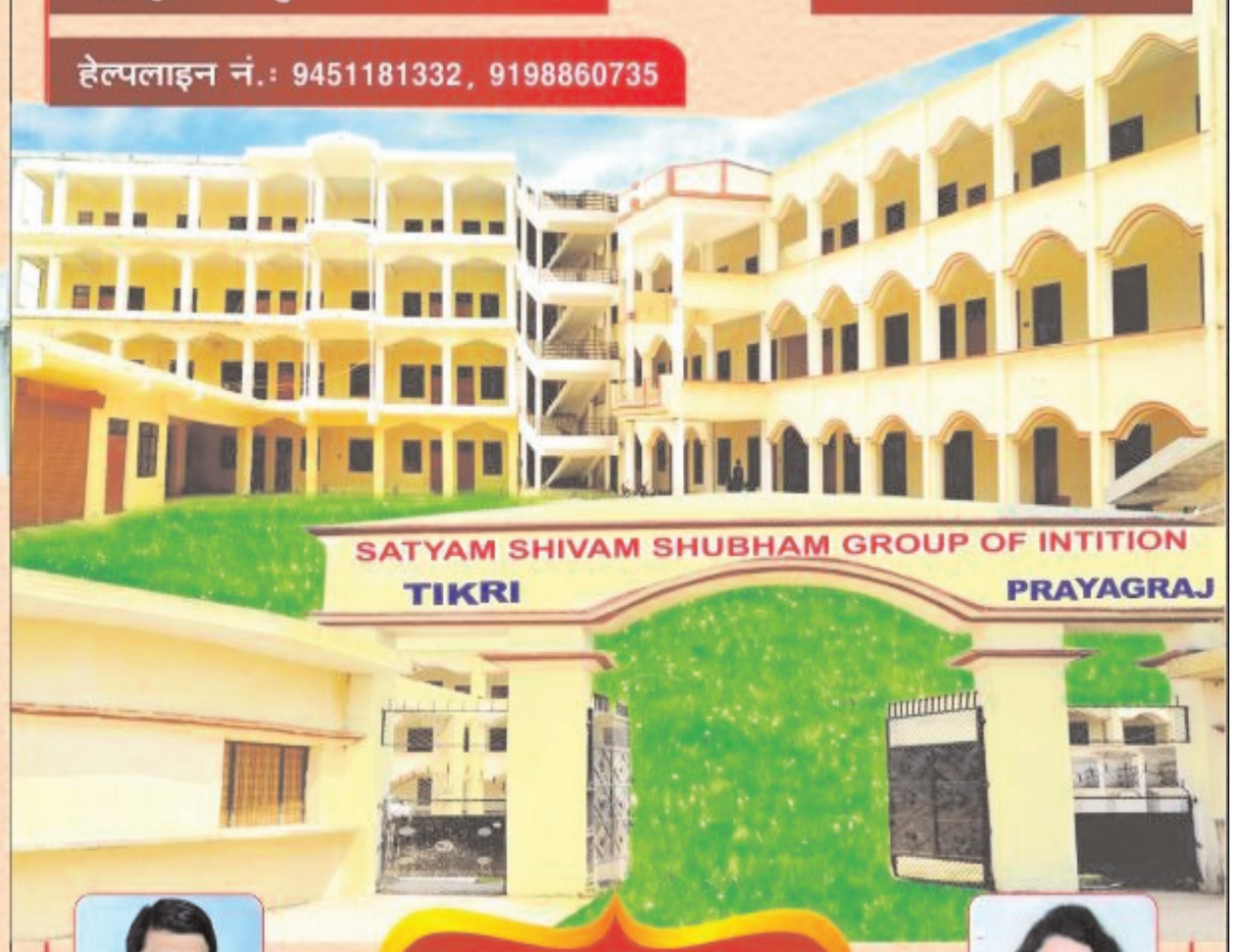

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

# हमारा परिश्रम,हमारी एकजुटता और हमारा संकल्प ही की ऐतिहासिक विजय का आधार बनेगा- अशोक

**ब्यूरो चीफ**
**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी।** भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मंझनपुर में आयोजित मासिक जिला कार्यसमिति बैठक व क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया के कौशाम्बी प्रथम आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम को क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया,जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने संबोधित किया।

जिला कार्यसमिति बैठक व स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम को काशी क्षेत्र से क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने संबोधित करते हुए कहा कि मैं क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में आप सभी कार्यकताओं को आश्वस्त करता हूं कि कार्यकर्ता का सम्मान हमारी प्राथमिकता है जिसके साथ कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा।

पार्टी अपने सभी कार्यकताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।भाजपा ही एक ऐसा राजनीतिक संगठन है जिसके कार्यकताओं के मन में पहले देश,फिर दल और सबसे अंत में स्वयं के हित की भावना आती है।

विधानसभा चुनाव 2027 में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता शक्ति केंद्रों की

ताकत,उनके संयोजकों के परिश्रम और मेहनत के बल पर एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलाने का संकल्प लेकर तैयार बैठा है। जब कार्यकताओं का उत्साह और ऊर्जा साथ होती है,तब विपक्ष चाहे कितनी भी ताकत लगा ले,भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता उसे धूल चटाने का काम करेगा ऐसी तमाम संगठनात्मक विषयों को विस्तार पूर्वक साझा किया।

इसी क्रम में जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी जाति अथवा धर्म के आधार पर चलने वाली पार्टी नहीं है बल्कि विचारधारा और कार्यकताओं के आधार पर चलने वाली पार्टी है,भारतीय जनता पार्टी की ताकत विचारधारा,संगठन और बूथों पर मौजूद कार्यकर्ता हैं राष्ट्रवाद की अलख हमारे दिलों में है और समाज परिवर्तन हमारा मिशन है। भ्रष्टाचार और परिवारवाद से मुक्त अंत्योदय के सिद्धांत पर आधारित सर्वांगीण विकास हमारी पहचान है। ऐसी तमाम बातों को विस्तार से साझा किया इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक चायल पूजा पाल,काशी क्षेत्र से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता,क्षेत्रीय महामंत्री संतोष पटेल,पूर्व जिलाध्यक्षगण,सभी सम्मानित पदाधिकारीगण,जनप्रतिनिधिगण ,मण्डल अध्यक्षगण,मोर्चा जिलाध्यक्ष,विभाग एवं प्रकोष्ठों के संयोजक,सह-सहसंयोजक सहित सम्मानित कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

## मंडलायुक्त ने वृक्षारोपण महायज्ञ दिवस पर कपि वन में किया फलदार पौधे का रोपण

**मंडलायुक्त ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पौधे किया प्रदान**

**स्वाती मिश्रा**
**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी।** मंडलायुक्त, प्रयागराज एवं जनपद की नोडल अधिकारी सौम्या अग्रवाल ने आज वृक्षारोपण महायज्ञ दिवस पर विकास खण्ड क्षेत्र मूरतगंज के बरई सुलेम में स्थापित कपि वन में फलदार पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया।

मंडलायुक्त ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पौधे वितरित किए तथा उन्हें अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण प्रदान करने का संकल्प है। उन्होंने सभी से रोपे गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सत्य नारायण एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## यातायात पुलिस के साथ संयुक्त रूप से वाहन चेकिंग की गई,कई वाहनों का हुआ चालान

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर।** पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय के कुशल पर्यवेक्षण में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से यातायात मुख्यालय द्वारा संचालित विशेष अभियान "ड्रंक एंड ड्राइव" के अंतर्गत रात्रि में जनपद के विभिन्न टोल प्लाजाओं पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान जिंदपुर टोल प्लाजा, बहुआ पर क्षेत्राधिकारी यातायात बृजमोहन राय की उपस्थिति में यातायात प्रभारी निरीक्षक केशरी प्रसाद यादव एवं यातायात पुलिस के साथ संयुक्त रूप से वाहन चेकिंग की गई।

इसी क्रम में बड़ौरी टोल प्लाजा पर टीएसआई अनिल कुमार द्वारा चेकिंग अभियान संचालित किया गया।

वहीं काटोघन टोल प्लाजा पर टीएसआई बृजेश कुमार तिवारी द्वारा सघन वाहन चेकिंग करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान नशे की हालत (ड्रंक एंड ड्राइव) में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध 18 ई-चालान करते हुए कुल ?1,80,000/- का जुमार्ना अधिरोपित किया गया। इसके अतिरिक्त बिना नंबर प्लेट के मालवाहक वाहनों के विरुद्ध 16 ई-चालान कर ?85,000/- का जुमार्ना किया गया।

फतेहपुर पुलिस आमजन से अपील करती है कि सड़क सुरक्षा एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करें, नशे की अवस्था में वाहन न चलाएं तथा वाहन पर वैध नंबर प्लेट एवं आवश्यक अभिलेख सदैव साथ रखें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी प्रभावी एवं निरंतर कार्रवाई की जाती रहेगी।

## टोल प्लाजा पर जनप्रतिनिधियों ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

**ब्यूरो चीफ**
**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी ।** वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत आज बदनपुर नौगीरा टोल प्लाजा,राम वनगमन मार्ग (दाईं पटरी) पर उपाध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग आयोग, उत्तर प्रदेश सोहन लाल श्रीमाली, अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर, विधायक चायल पूजा पाल,भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, निवर्तमान विधायक संजय कुमार गुप्ता एवं अध्यक्ष नगर पालिका परिषद भरवारी कविता पासी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

उपाध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग आयोग सोहन लाल श्रीमाली ने कहा कि यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे, तो प्रकृति भी हमारी रक्षा करेगी। उन्होंने सभी नागरिकों से "एक पेड़ मां के नाम" अभियान से जुड़ते हुए पौधारोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर ने कहा कि जब व्यक्ति बीमार होता है तो अस्पताल में ऑक्सीजन के लिए धन खर्च करना पड़ता है, जबकि पेड़-पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन निःशुल्क प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनका संरक्षण करने की अपील की।

विधायक चायल पूजा पाल ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वृक्षारोपण महाअभियान-2026 पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति "एक पेड़ मां के नाम" अवश्य लगाए, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं बेहतर पर्यावरण मिल सके।

निवर्तमान विधायक संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि पौधारोपण अत्यंत पुण्य का कार्य है तथा प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सत्य नारायण, मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, प्रभागीय वनाधिकारी अजय कुमार पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## कप्तान ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

**सबसे तेज प्रयागराज**
**कौशांबी।** रिजर्व पुलिस लाइन्स, जनपद कौशाम्बी में आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वच्छ भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी अमिता सिंह एवं क्षेत्राधिकारी लाइन्स भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया तथा जनपद को हरित एवं स्वच्छ बनाने में सहभागिता निभाने का संकल्प लिया गया ।

यह कार्यक्रम "हरित धरतीझसमृद्ध कल, पर्यावरण संरक्षण हमारा कर्तव्य" की भावना के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए लोगों को प्रेरित करना है।

## राज्यमंत्री ने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत किया पौधारोपण

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर।** सरकार द्वारा संचालित "वृक्षारोपण महायज्ञ-2026" के अंतर्गत "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अवसर पर 12वीं वाहिनी पीएसी, फतेहपुर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम में राज्यमंत्री (पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग), उत्तर प्रदेश सरकार श्रीमती कृष्णा पासवान मुख्य अतिथि तथा महानिरीक्षक निबंधन, उत्तर प्रदेश श्रीमती सारिका मोहन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि के आगमन पर पुलिस बल द्वारा उन्हें *गार्ड ऑफ ऑनर (सलामी) प्रदान की गई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक वन विभाग एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं जनसहभागिता का संदेश दिया गया।

मुख्य अतिथि श्रीमती कृष्णा पासवान ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि "एक पेड़ माँ के नाम"अभियान केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति, मातृत्व एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिकाधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनने की अपील की।

इस अवसर पर जनपद के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, 12वीं वाहिनी पीएसी के अधिकारी एवं जवान, वन विभाग के अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएँ एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

## एसएसपी ने होमगार्ड पदों पर सफल अभ्यर्थियों के डीवी/पीएसटी प्रक्रिया के संबंध में समीक्षा गोष्ठी आयोजित

**सबसे तेज प्रयागराज**
**बुलंदशहर ।**

एसएसपी दिनेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन सभागार में होमगार्ड पदों पर सफल अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन एवं शारीरिक मानक/दक्षता परीक्षण की प्रस्तावित प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ विस्तृत समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान महोदय द्वारा डीवी/पीएसटी प्रक्रिया से संबंधित समस्त व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके दायित्वों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा निर्देशित किया कि संपूर्ण प्रक्रिया शासन की मंशा एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण निष्पक्षता, पारदर्शिता तथा समयबद्ध तरीके से संपन्न कराई जाए।

एसएसपी द्वारा अभिलेख सत्यापन, प्रवेश व्यवस्था, पहचान सत्यापन, सहायता काउंटर, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, विद्युत, बैरिकेडिंग, पार्किंग, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का पूर्व परीक्षण कर सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक व्यवस्था के लिए नामित प्रभारी अपने दायित्वों का गंभीरता एवं उत्तरदायित्व के साथ निर्वहन सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन सहित सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

## युवक का शव फांसी पर लटका मिला

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बिजनौर,** बिजनौर जिले के थाना धामपुर क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवक का शव उसके घर के कमरे में पंखे से फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान मोहल्ला बाड़वान निवासी 30 वर्षीय विशाल वर्मा के रूप में हुई है। विशाल वर्मा शनिवार रात करीब 9 बजे घर लौटा और अपने कमरे में चला गया। जब उसकी बुजुर्ग मां ने उसे आवाज दी और वह बाहर नहीं आया, तो उन्होंने खिड़की से देखा। विशाल पंखे से लटका हुआ दिखाई दिया।

मां के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने जांच-पड़ताल के बाद शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक विशाल अपने पिता सतीश वर्मा की मृत्यु के बाद से अपनी बुजुर्ग मां के साथ घर में रहता था। उसका एक छोटा भाई बाहर रहता है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। मामले की कई पहलुओं से जांच शुरू की।

## अपराध नियंत्रण और कांवड़ यात्रा की तैयारियों की एसपी ने की समीक्षा

**हनुमान प्रसाद शुक्ल**
**कौशाम्बी।** पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने शनिवार को पुलिस कार्यालय स्थित दुर्गा भाभी सभागार में अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित कर जिले की कानून-व्यवस्था, लंबित विवेचनाओं और आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए लंबित मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बीएनएस, बीएनएसएस, एससी/एसटी एक्ट, महिला अपराध, लंबित एसआर, एसएसआर एवं एलएसआर प्रकरणों की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने वांछित, जिलाबदर, टॉप-10 तथा पुरस्कार घोषित अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। हत्या, लूट, डकैती, चोरी और महिला अपराधों के आंकड़ों की समीक्षा करते हुए इन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

उन्होंने रात्रि गश्त, हाईवे चेकिंग, पीआरवी, थाना एवं चौकी मोबाइल की नियमित निगरानी पर जोर देते हुए न्यायालय से जारी सम्मन, बीडब्ल्यू, एनबीडब्ल्यू एवं नोटिसों की तामील में तेजी लाने को कहा। साथ ही गुमशुदा एवं अपहृत व्यक्तियों की बरामदगी के लिए तत्काल टीम गठित कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएम डैशबोर्ड, आईजीआरएस, शिकायत प्रकोष्ठ, आईटीएसएसओ पोर्टल, ऑपरेशन कन्विक्शन, सीईआईआर पोर्टल, एनसीआरपी और प्रतिबिम्ब पोर्टल पर लंबित मामलों की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को इन पोर्टलों पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने और चोरी या गुम हुए मोबाइल की ब्लॉकिंग व रिकवरी की कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस मुख्यालय के डीजी परिपत्रों के अनुपालन तथा GOT पोर्टल के माध्यम से पुलिस कर्मियों के नियमित प्रशिक्षण पर भी जोर दिया।

श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए एसपी ने कांवड़ मार्गों, प्रमुख शिवालयों, संवेदनशील क्षेत्रों और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखते हुए अफवाहों का तत्काल खंडन करने के निर्देश भी दिए। गोष्ठी में जिले के सभी क्षेत्राधिकारी, आबकारी अधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष, शाखा प्रभारी तथा अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## मंडावली थाना प्रभारी के खिलाफ पत्रकारों का फूटा आक्रोश

**कार्रवाई न होने पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी**

**सबसे तेज प्रयागराज**
**बिजनौर।**

थाना मंडावली के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार द्वारा एक पत्रकार के साथ कथित अभद्र व्यवहार तथा हवालात में डालने की धमकी से जुड़े वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पत्रकारों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना को लेकर जनपद बिजनौर के विभिन्न क्षेत्रों के पत्रकारों ने इसे प्रेस की गरिमा से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए दोषी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। इसी क्रम में 12 जुलाई 2026 को नजीबाबाद ब्लॉक परिसर स्थित डबाकरा हॉल में पत्रकारों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों पत्रकारों ने भाग लिया और घटना पर गहन चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से आगे की रणनीति तय की।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 13 जुलाई 2026 को क्षेत्राधिकारी (सीओ) नजीबाबाद को पुलिस अधीक्षक के नाम तथा उपजिलाधिकारी (एसडीएम) नजीबाबाद के माध्यम से जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से थाना प्रभारी मंडावली राकेश कुमार के विरुद्ध उचित एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की जाएगी। बैठक में सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि यदि दो दिनों के भीतर थाना प्रभारी मंडावली का स्थानांतरण अथवा अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जाती है, तो समस्त पत्रकार संगठन थाना मंडावली के समक्ष शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने के लिए विवश होंगे। पत्रकारों ने स्पष्ट कहा कि यह किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे पत्रकार समाज के सम्मान और स्वतंत्र पत्रकारिता से जुड़ा विषय है, जिस पर सभी एकजुट हैं। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र जैन ने की, जबकि संचालन शहजाद मलिक ने किया। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने एक स्वर में कहा कि पत्रकारों के सम्मान एवं सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा।

## डीएम एसएसपी द्वारा वृक्षारोपण महाअभियान 'एक पेड़ मा के नाम' थीम पर पुलिस लाइन परिसर में किया पौधारोपण

**सबसे तेज प्रयागराज**
**बुलंदशहर ।** प्रदेश सरकार द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' थीम के अंतर्गत शनिवार को 'वृक्षारोपण महाअभियान-2026' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में इस महाअभियान के अंतर्गत पूरे प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि, जलवायु संतुलन तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इसी क्रम में प्रदेश सरकार के "हरित प्रदेश-स्वच्छ प्रदेश" के संकल्प को साकार करने हेतु जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन परिसर में 'वृक्षारोपण महाअभियान-2026' के अंतर्गत पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार तथा पर्यावरण की दृष्टि से उपयोगी पौधों का रोपण किया गया।

साथ ही समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए प्रत्येक पौधे के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प दिलाया गया। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के माध्यम से मातृ सम्मान के साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री निशा ग्रेवाल एवं क्षेत्राधिकारी खुर्जा श्री शोभित कुमार सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

महाअभियान के अंतर्गत बुलन्दशहर पुलिस द्वारा जनपद के समस्त पुलिस सर्किलों, थाना एवं चौकी परिसरों, पुलिस कार्यालयों, समस्त शाखाओं, पुलिस लाइन तथा पुलिस आवासीय परिसरों में 11,400 पौधों का रोपण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि, भू-जल संरक्षण तथा स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में प्रभावी योगदान सुनिश्चित किया जा रहा है।

बुलन्दशहर पुलिस जनपदवासियों से अपील करती है कि वे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़कर अधिकाधिक वृक्षारोपण करें तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लें, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके।

# निशुल्क चिकित्सा शिविर में 200 मरीजों का परीक्षण, बीमारियों से बचाव के लिए किया जागरूक

## विशेषज्ञ चिकित्सकों ने ग्रामीणों को दी नियमित जांच और स्वच्छता अपनाने की सलाह

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फूलपुर।** ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को नेदुला बाजार में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में 200 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाएं वितरित की गईं। इस दौरान 47 लोगों के रक्त की जांच भी की गई।

शिविर में मौसमी बुखार-जुकाम के 37, स्त्री रोग के 32, पथरी के 15, गठिया के 27, शुगर एवं ब्लड प्रेशर के 25 मरीजों का उपचार किया गया। इसके अलावा अस्थमा, हड्डी तथा नाक-कान-गला संबंधी रोगों से पीड़ित मरीजों की भी जांच कर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

स्वरूप रानी चिकित्सालय, प्रयागराज के वरिष्ठ सर्जन डॉ. अखिलेश यादव ने कहा कि चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं होना चाहिए।

ग्रामीणों को जलजनित बीमारियों और अन्य गंभीर रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता और समय पर उपचार कराने पर जोर दिया। शिविर में डॉ. सचिन यादव, डॉ. आरबी यादव, डॉ. अंकिता सिंह, डॉ. नीतीश सिंह के साथ प्रिया, ऋतु, राखी, नीरज, आलोक, कमलेश सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने मरीजों को सेवाएं प्रदान की।

## पत्नी से विवाद के बाद लाइनमैन ने फांसी लगाकर दी जान

### पिता बोले- अनहोनी की आशंका पर पहुंचे तो कर रहा था तैयारी, पुलिस को सूचना देकर लौटे तो फंदे से लटका मिला

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** करेली के नया पुरवा निवासी 35 वर्षीय मनोज कुमार ने शनिवार रात पत्नी से विवाद के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

मनोज कुमार एक ठेकेदार के यहां लाइनमैन के रूप में काम करता था। उसके पिता भोलानाथ ने बताया कि मनोज की पत्नी नान बिट्टी पिछले एक सप्ताह से अपनी बहन के घर गई थी। शनिवार को मनोज बच्चों के कपड़े देने वहां गया था। इसी दौरान पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जिसके बाद वह घर लौट आया।

पिता के अनुसार, कुछ देर बाद बहू ने फोन कर विवाद की जानकारी दी और अनहोनी की आशंका जताई।

इस पर वह तुरंत मनोज के कमरे में पहुंचे तो देखा कि वह फांसी लगाने की तैयारी कर रहा था। समझाने और रोकने का प्रयास किया, लेकिन मनोज ने हाथापाई कर दी। इसके बाद वह पुलिस को सूचना देने चले गए। लौटकर आए तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खुलवाने पर मनोज फंदे से लटका मिला।

सूचना पर पहुंची करेली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मनोज अपने पीछे बेटा ऋषभ और बेटी नित्या को छोड़ गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य ने किया पौधारोपण

### रिजर्व पुलिस लाइंस परिसर में पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत आयोजित "वृक्षारोपण महायज्ञ-2026" के अंतर्गत रविवार को पुलिस उपायुक्त नगर मनीष शांडिल्य ने रिजर्व पुलिस लाइंस कमिश्नरेट प्रयागराज परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया।

डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य ने कहा कि पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हर व्यक्ति को अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने भी पौधारोपण कर अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

## जीटीबी नगर चौकी परिसर में हुआ पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

### चौकी प्रभारी अजीत मौर्य ने जामुन व कदम का पौधा लगाकर लोगों को किया जागरूक

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत करेली थाना क्षेत्र की जीटीबी नगर चौकी परिसर में शनिवार को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। चौकी प्रभारी अजीत मौर्य ने चौकी परिसर में एक जामुन और एक कदम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर चौकी प्रभारी ने मौजूद पुलिसकर्मियों एवं आसपास के लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण का आधार हैं। कार्यक्रम के दौरान लोगों को पौधरोपण के प्रति जागरूक किया गया और हर व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया।

## सिकंदरा चौकी इंचार्ज ने कार्यभार संभाला

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बहरिया।** नवागंतुक चौकी इंचार्ज सिकंदरा मारुति नंदन तिवारी ने रविवार को सिकंदरा चौकी का कार्यभार संभाला लिया। उन्होंने कहा कि जनता से बेहतर संवाद और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई उनकी प्राथमिकता होगी। बता दें कि सिकंदरा चौकी इंचार्ज रहे अनुराग शर्मा का स्थानांतरण कर थाना सोरांव की पुलिस चौकी बड़गांव का प्रभारी बनाया गया है। स्थानीय लोगों ने चौकी इंचार्ज को माला पहना कर स्वागत किया।

## जीआरपी पुलिस द्वारा मात्र 40 मिनट में गुम बैग सभी सामान सहित बरामद

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज ।** पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज, पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनो में बढ़ती चोरी/छिनैती की घटनाओं की रोकथाम, अवैध तस्करी एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी के मद्देनजर चलायें जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे अरूण कुमार पाठक के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह थाना जीआरपी प्रयागराज के कुशल नेतृत्व में थाना जीआरपी प्रयागराज पर रविवार को समय 07.20 बजे आवेदिका प्रतिमा पुत्री हीरालाल हलवाई निवासिनी अंजही मोहाल थाना गोपीगंज जनपद भदोही द्वारा रेलवे स्टेशन प्रयागराज के वेटिंग हाल मे नीले रंग के बैग जिसमें डाक्यूमेन्ट फाइल, एवं कपडे की बैग व पर्स कुछ खाने पीने के सामान के सम्बन्ध में पंजीकृत गुमशुदगी से सम्बन्धित बैग को सभी सामान सहित त्वरित कार्यवाही करते हुए सीसीटीवी फुटेज की मदद से मात्र 40 मिनट में बरामद कर आवेदिका उपरोक्त को सुपुर्द कर थाना हाजा से रूकसत मोहाल किया गया। आवेदिका उपरोक्त द्वारा थाना जीआरपी प्रयागराज की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।

## वृक्षारोपण महाअभियान: जनपद में 85,12,000 पौधो का किया गया रोपण

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** वृक्षारोपण महाअभियान कार्यक्रम के तहत रविवार को जनपद में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे जनपद में लोग पूरे उत्साह के साथ वृक्षारोपण महाअभियान में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। वृहद वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम के तहत मुख्य कार्यक्रम शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने सर्वप्रथम शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए नमन किया, तत्पश्चात मंत्री शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क में विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्य, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा,. मुख्य वन संरक्षक अधिकारी मनोज कुमार सोनकर एवं प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद कुमार यादव के साथ विधिवत पूजा-पाठ व मंत्रोच्चार के साथ पीपल, बरगद, पाकर, हरिशंकरी के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा एक पेड मां के नाम अभियान चलाया गया। इस अभियान के पीछे गहन चिंतन व भावनात्मक संदेश छिपा है, जिस प्रकार मां अपने बच्चे का पालन-पोषण करती है, ठीक उसी प्रकार मां की तरह ही पेड भी हमें ईश्वर द्वारा प्राप्त वरदान है। पेड से मिलने वाली प्राणवायु ऑक्सीजन मानव जीवन का आधार है। पेड की छाया में हमें सुकुन महसूस होता है, औषधीय गुण वाले पेडो से अनेको जीवन रक्षक दवाएं बनती है। पेड की उपयोगिता व उनका महत्व असीमित है। पेड कई पीढ़ियों के गवाह होते है। मंत्री ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के दौर में वृक्षारोपण उम्मीद की किरण है। यह आने वाली पीढ़ियो को हमारे द्वारा सौपी गयी सबसे बहुमूल्य विरासत है। पेड, कुआ, तालाब संरक्षित हो, इससे हमारी आने वाली पीढ़िया संरक्षित रहेगी।

## प्रयागराज के मशहूर कवि जयनाथ प्रसाद सात्विक के पत्नी का निधन

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** इलाहाबाद विश्वविद्यालय में चित्रकला पोस्टग्रेजुट की डिग्री खुलवाकर प्रयागराज को कलामय बनाने की महान देन प्रदान करने वाले मशहूर कवि-कलाकार एवं राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के सदस्य रवीन्द्र कुशवाहा की माता दुलारी देवी का रविवार 2:20 पर यूनाइटेड मेडिसिटी हॉस्पिटल प्रयागराज में 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह एक सप्ताह से अस्पताल के आईसीयू में भर्ती थीं। बताते चलें कि दुलारी देवी प्रयागराज के मशहूर कवि जयनाथ प्रसाद सात्विक की पत्नी थीं जो तीनों भाषाओं के विद्वान थे जिनकी हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत की रचनाएं बहुत मशहूर हैं।

जिनकी तीन कविता ग्रंथ प्रकाशित हो चुकी हैं जिसका प्रस्तावना मशहूर कवि कैलाश गौतम ने लिखा है। यहां प्रासंगिक होगा कि कवि जयनाथ प्रसाद सात्विक मशहूर जनकवि कैलाश गौतम के स्नातक एवं परास्नातक में सहपाठी रहें हैं। उनकी पत्नी दुलारी देवी के आकस्मिक निधन से प्रयागराज के कवियों चित्रकारों साहित्यकारों में घोर संवेदना व्याप्त है। आज दिन में उनके कनिष्ठ पुत्र सुधींद्रनाथ ने मुखाग्नि दी। पुत्री बसंती, माधुरी, विनीता, नतिनी हिमाद्री व गौरी भतीजे आलोक, रोहित, बहुयें राजकुमारी, सरिता, पोते अनुराग, तन्मय सहित लवकुश विद्यालय के सभी अध्यापक कर्मचारी एवं डीएवी कॉलेज के अध्यापकों तथा पड़ोसियों, मित्रों ने दारागंज घाट पर श्रद्धांजलि दी।

# पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए वृक्ष लगाना आज की सबसे बड़ी जरूरत- उमेश तिवारी

**सबसे तेज प्रयागराज**

**श्रृंगवेरपुर।** सरकार के महत्वाकांक्षी 'वृक्षारोपण महाभियान 2026' के अंतर्गत आज नवाबगंज मंडल के शेरावा सहित कई बूथों पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं और स्थानीय ग्रामीणों द्वारा वृक्षारोपण किया गया मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि और भाजपा नेता उमेश तिवारी ने पर्यावरण की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक युग में जिस तेजी से पेड़-पौधे काटे जा रहे हैं, उससे ग्लोबल वॉर्मिंग और प्रदूषण का खतरा लगातार बढ़ रहा है। पर्यावरण को सुरक्षित और संतुलित रखने के लिए वृक्ष लगाना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। बिना वृक्षों के पृथ्वी पर मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। पेड़ हमें न केवल जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी सुरक्षित करते हैं।

अपने संबोधन में भाजपा नेता उमेश तिवारी ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान को दोहराते हुए स्थानीय जनता से एक विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि 'वृक्षारोपण महाभियान 2026' के तहत हर नागरिक को अपनी माता जी के सम्मान में 'एक पेड़ माँ के नाम' पर अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा कर्तव्य सिर्फ पौधा लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि जब तक वह पौधा एक विशाल वृक्ष नहीं बन जाता, तब तक उसकी नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल पांडेय, मंडल अध्यक्ष सुरेश पटेल, धर्मेन्द्र पांडेय, धर्मेन्द्र पटेल, भोला पटेल, पंकज त्रिपाठी, जितेंद्र सिंह, दिग्विजय त्रिपाठी,राघवेंद्र शुक्ला, अजय सोनी आदि मौजूद रहे।

# नवसूत्रीय मांगों को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन, नई नियुक्तियों की घोषणा

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** विकास खंड मऊआइमा, तहसील सोरांव के ब्लॉक बाजार स्थित पेट्रोल पंप के सामने रविवार को खुर्शीद आलम की अध्यक्षता में किसानों एवं संगठन पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे एवं जिला अध्यक्ष शनि शुक्ला सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के उपरांत किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर नौ सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार सोरांव नयन शुक्ला को सौंपा गया। ज्ञापन में भूमि माफियाओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, आवास विकास परिषद द्वारा भूमि अधिग्रहण से संबंधित समस्याओं का समाधान, आवारा पशुओं से किसानों को राहत, झोलाछाप पशु चिकित्सकों पर कार्रवाई, नहरों में सिंचाई हेतु पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने, चकबंदी कार्यों में धारा-24 के अंतर्गत लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण, चकबंदी कार्यों में लापरवाही पर कार्रवाई तथा यूरिया एवं डीएपी खाद की कालाबाजारी रोकने एवं निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर खाद बेचने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई। इस अवसर पर थाना मऊआइमा के प्रभारी निरीक्षक राममूर्ति यादव भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में संगठन मंत्री द्वारका दास, मंडल सचिव राजेंद्र कुमार, युवा मंडल सचिव हरिश्चंद्र, जिला सचिव गोविंद बहादुर सिंह, मंडल अधिवक्ता अदनान अहमद, युवा ब्लॉक अध्यक्ष आदित्य वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष अंगद मौर्य, युवा ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार, तहसील अध्यक्ष कमलेश पटेल, ब्लॉक उपाध्यक्ष मुन्ना मिश्रा, ब्लॉक उपाध्यक्ष सुभाष सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन की नई नियुक्तियों की भी घोषणा की गई। खुर्शीद आलम को गंगापार युवा जिला अध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा) तथा संजय कुमार यादव को युवा ब्लॉक अध्यक्ष, मऊआइमा नियुक्त किया गया।

## वृक्षारोपण महाभियान के अंतर्गत विधायक फूलपुर दीपक पटेल ने किया पौधरोपण

**सबसे तेज प्रयागराज**

**सहसों।** रविवार को वृक्षारोपण महाभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विधायक फूलपुर दीपक पटेल ने विकास खण्ड सहसों के ग्रामसभा चिलौड़ा पंचायत भवन तथा बहादुरपुर ब्लॉक और लाहुरपुर में वृक्षारोपण किया इस अवसर पर वन क्षेत्राधिकारी फूलपुर लक्ष्मीकांत दुबे ने विधायक को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया विधायक दीपक पटेल ने कहा कि सभी लोग एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल भी करें बिना वृक्ष के मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती मानव जीवन के लिए वृक्ष बहुत आवश्यक है पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वृक्ष लगाना बहुत जरूरी है गौरतलब है कि उतर प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 35 करोड़ पौधे लगाने का विशाल वृक्षारोपण महाभियान शुरू किया गया है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गोरखपुर में पौधारोपण कर इस महाअभियान की शुरूआत की। इस मौके पर पर मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख गीता सिंह, बीडीओ सहसों राम वीर पाल, ब्लॉक प्रमुख बहादुर पुर डब्बू यादव, राकेश सिंह, पार्षद अरुण कुमार मिश्रा पिंटू नेता,विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, पवन शुक्ला, भूपेन्द्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

# राम वन गमन मार्ग पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 12,800 पौधों का रोपण

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** प्रदेशव्यापी 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 35 करोड़ वृक्षारोपण महाअभियान-2026 के अंतर्गत रविवार को राम वन गमन मार्ग, श्रृंगवेरपुर धाम में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन विभाग द्वारा राम वन गमन मार्ग की दोनों ओर स्थित सर्विस रोड पर कुल 12,800 पौधों का रोपण किया गया।

गौरतलब है कि यह अभियान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत राम वन गमन मार्ग की दोनों पटरियों पर 6,400-6,400 पौधे लगाए गए और इसी के साथ 35 करोड़ वृक्षारोपण महाअभियान-2026 का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य सुरेंद्र मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष प्रदीप केसरवानी, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद गंगापार प्रयागराज के जिला अध्यक्ष एवं श्रृंगवेरपुर धाम महोत्सव के अध्यक्ष संजय तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी कुलदीप तिवारी तथा हनुमान चालीसा केंद्र प्रमुख शिवदीप तिवारी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम क्षेत्रीय वन अधिकारी दिव्या मिश्रा के संरक्षण में संपन्न हुआ। उप क्षेत्रीय वन अधिकारी विजय प्रताप सिंह एवं वन दरोगा कृष्ण कुमार त्रिपाठी (कौड़िहार सेक्शन, सोरांव रेंज, प्रयागराज) के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प भी लिया गया।

अध्यक्ष कमलेश पटेल, ब्लॉक उपाध्यक्ष मुन्ना मिश्रा, ब्लॉक उपाध्यक्ष सुभाष सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन की नई नियुक्तियों की भी घोषणा की गई। खुर्शीद आलम को गंगापार युवा जिला अध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा) तथा संजय कुमार यादव को युवा ब्लॉक अध्यक्ष, मऊआइमा नियुक्त किया गया।

## सराय इनायत पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

**सबसे तेज प्रयागराज**

**झूंसी प्रयागराज।** पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना सरायइनायत पर पंजीकृत मुकदमा से संबंधित वांछित अभियुक्त सुरेन्द्र कुमार पाल पुत्र रामअभिलाष पाल निवासी ग्राम सुदनीपुर कला थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा रविवार को थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सुदनीपुर कला के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

**गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम**

दिनेश कुमार सिंह, चौकी प्रभारी हनुमानगंज का0 विनय सिंह, थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।

# 110 करोड़ की साइबर ठगी का नेटवर्क बेनकाब, 114 बैंक खाताधारक और मोबाइल धारक रडार पर

## ऑपरेशन साइबर वज्र में 15 टीमों की कार्रवाई, 11 थानों में 18 मुकदमे दर्ज; निवेश, डिजिटल अरेस्ट और क्रिप्टो ट्रेडिंग के नाम पर होती थी ठगी

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** साइबर अपराध के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन साइबर वज्र में कमिश्नरेट पुलिस ने देशभर में फैले साइबर ठगी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की है। छह से 12 जुलाई तक चले विशेष अभियान में 15 टीमों ने ठगी में इस्तेमाल होने वाले 114 बैंक खाताधारकों और मोबाइल नंबर धारकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। सत्यापन के बाद 11 थानों में 18 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। साइबर क्राइम थाना और थानों की साइबर हेल्प डेस्क की संयुक्त जांच में सामने आया कि इन बैंक खातों और मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल निवेश, डिजिटल अरेस्ट, पार्ट-टाइम जॉब, क्रिप्टो ट्रेडिंग समेत विभिन्न ऑनलाइन ठगी के मामलों में किया जा रहा था। साइबर सेल प्रभारी घनश्याम यादव ने बताया कि 16 राज्यों से मिली 182 एनसीआरपी शिकायतों की जांच में प्रयागराज के 114 लोगों के बैंक खाते और मोबाइल नंबर सामने आए। जांच में करीब 110 करोड़ रुपये की साइबर ठगी से इनका संबंध मिलने के साक्ष्य मिले हैं। पूछताछ से मिले इनपुट के आधार पर पूरे नेटवर्क की गहन पड़ताल की जा रही है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, साइबर ठग लोगों को कमीशन का लालच देकर उनके बैंक खाते और सिम कार्ड हासिल कर लेते हैं। बाद में इन्हीं खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर कराई जाती है, जबकि मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल फर्जी कॉल, सोशल मीडिया अकाउंट और अन्य साइबर अपराधों में किया जाता है।

अभियान के दौरान साइबर थाने में तीन, जबकि मुट्ठीगंज, धूमनगंज, नैनी और कोरांव में दो-दो मुकदमे दर्ज हुए। इसके अलावा पूरामुफ्ती, कर्नलगंज, खुल्दाबाद, कीडगंज और सिविल लाइंस थानों में भी एक-एक मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## संपादकीय

# यूज्ड ईवी: बदलती सोच, बदलता बाजार और बदलता भारत

हर बदलाव नई चीजों से नहीं, नई सोच से जन्म लेता है। भारत में यूज्ड इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से बढ़ता बाजार इसका प्रमाण है। यह केवल ऑटोमोबाइल उद्योग की रफ्तार नहीं, बल्कि विकास को उपभोग नहीं, उपयोगिता की कसौटी पर परखने का संकेत है। जिस वाहन को कल तक "सेकंड हैंड" कहकर नजरअंदाज किया जाता था, वही आज स्वच्छ पर्यावरण, किफायती परिवहन और टिकाऊ अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद वाहक बन गया है। यूज्ड ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) बाजार की यह उड़ान महज आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि उस भारत की पहचान है, जो सीमित संसाधनों में भी भविष्य गढ़ना जानता है।

बदलाव की असली पहचान तब होती है, जब वह आम आदमी की पहुँच में उतर आए। इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ यही हो रहा है। नई ईवी कारों और दोपहिया वाहनों की ऊँची कीमत मध्यम वर्ग के लिए अब भी चुनौती है, लेकिन यूज्ड ईवी बाजार ने यह बाधा तोड़ दी है। कम कीमत, पर्याप्त बची हुई बैटरी लाइफ और आसान फाइनेंसिंग ने लाखों लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन सुलभ कर दिए हैं। आर्थिक सीमाओं में बंधे लोग अब पर्यावरण-अनुकूल विकल्प चुन सकते हैं। पहली इलेक्ट्रिक कार या स्कूटर अब केवल संपन्न वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि आम नागरिक की पहुँच में है।

पूँजी हमेशा वहीं जाती है, जहाँ भविष्य दिखाई देता है। यूज्ड ईवी बाजार ने वित्तीय संस्थानों का यही भरोसा जीता है। फाइनेंस कंपनियाँ इसे केवल ऋण का नया क्षेत्र नहीं, बल्कि कम जोखिम और बेहतर प्रतिफल वाला निवेश मान रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता और निरंतर बढ़ती मांग ने इस बाजार को मजबूत आधार दिया है। जब निवेश विश्वास के साथ बढ़ता है, तो स्पष्ट होता है कि बाजार क्षणिक उत्साह नहीं, स्थायी संभावनाओं पर टिका है। यही भरोसा आने वाले वर्षों में यूज्ड ईवी बाजार की रफ्तार को और तेज करेगा।

सबसे बड़ा लाभ बाजार का नहीं, सांसों का है। यूज्ड ईवी बाजार की असली उपलब्धि यही है कि हर इस्तेमाल किया गया इलेक्ट्रिक वाहन पेट्रोल और डीजल आधारित वाहनों पर निर्भरता को थोड़ा और कम करता है। जहरीली हवा और बढ़ते प्रदूषण से जूझते भारतीय शहरों में यह बदलाव किसी शोरगुल वाले अभियान से नहीं, बल्कि एक मौन हरित क्रांति के रूप में सामने आया है। इसकी ताकत नारों में नहीं, व्यवहार में है। हर पुरानी इलेक्ट्रिक कार या स्कूटर को मिला नया जीवन वातावरण में प्रदूषण घटाने और स्वच्छ भविष्य की ओर बढ़ाया गया एक ठोस कदम है।

विकास का भविष्य नए संसाधन जुटाने में नहीं, पुराने संसाधनों के बेहतर उपयोग में है। यूज्ड ईवी बाजार इसी सोच का विस्तार है। किसी पुराने इलेक्ट्रिक वाहन का पुनः उपयोग केवल वाहन नहीं बचाता, बल्कि उसके निर्माण में लगी ऊर्जा और खनिज भी बचाता है। नई बैटरियों के उत्पादन में भारी संसाधन लगते हैं, जबकि मौजूदा बैटरी का उपयोग पर्यावरणीय दबाव घटाता है। यही परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) का आधार है, जहाँ वस्तुएँ खत्म नहीं होतीं, नया उपयोग पाती हैं। इसलिए यूज्ड ईवी बाजार केवल सस्ता विकल्प नहीं, संसाधन संरक्षण का प्रभावी माध्यम भी है।

हर उड़ान की परीक्षा उसकी ऊँचाई नहीं, स्थिरता होती है। यूज्ड ईवी बाजार के सामने यही चुनौती है। बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद बैटरी की गुणवत्ता सबसे बड़ा प्रश्न बनी हुई है। हर खरीदार के मन में सवाल है कि बची हुई बैटरी कितने वर्षों तक भरोसेमंद रहेगी। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का सीमित विस्तार, प्रशिक्षित सर्विस सेंटरों की कमी और बैटरियों के वैज्ञानिक पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) का कमजोर ढाँचा इसकी रफ्तार रोक सकता है। इन कमियों का समाधान नहीं हुआ, तो आज का उत्साह कल अविश्वास में बदल सकता है। तकनीकी बदलाव की सफलता केवल बिक्री नहीं, मजबूत तंत्र से तय होती है। समाधान बिखरे प्रयासों में नहीं, साझा संकल्प में है। सरकार, वाहन निमार्ता और वित्तीय संस्थानों को मिलकर आगे बढ़ना होगा। बैटरियों का स्पष्ट स्टैंडर्डाइजेशन, सेकंड लाइफ बैटरियों के सुरक्षित उपयोग की नीति, यूज्ड ईवी के लिए विशेष इंश्योरेंस, प्रमाणित बैटरी हेल्थ रिपोर्ट और व्यापक चार्जिंग नेटवर्क इस क्षेत्र की बुनियादी जरूरतें हैं। सरकार दूरदर्शी नीति बनाए, वाहन कंपनियाँ भरोसेमंद सेवाएँ दें और फाइनेंस कंपनियाँ आसान वित्त दें, तो यूज्ड ईवी बाजार केवल कारोबार नहीं, भारत की हरित अर्थव्यवस्था का आधार बन सकता है। टिकाऊ विकास तभी संभव है, जब नीति, तकनीक और वित्त एक दिशा में बढ़ें।

हरित विकास तभी सार्थक है, जब वह आम आदमी की पहुँच में हो। यूज्ड ईवी बाजार ने यह संभव किया है। जो हरित तकनीक कभी सम्पन्न वर्ग तक सीमित थी, वह अब मध्यम वर्ग का विकल्प बन रही है। सीमित आय वाला परिवार कम कीमत में पहली इलेक्ट्रिक कार, स्कूटर या बाइक खरीदकर केवल ईंधन नहीं बचाता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा में अपना योगदान देता है। यही लोकतांत्रिक हरित क्रांति है, जहाँ पर्यावरण संरक्षण विशेषाधिकार नहीं, जनभागीदारी बन जाता है। यूज्ड ईवी बाजार ने साबित किया है कि टिकाऊ विकास महँगा नहीं, समझदारी का विकल्प हो सकता है।

भविष्य उन देशों का होता है, जो संसाधनों का मूल्य समझते हैं। यूज्ड ईवी बाजार ने दिखाया है कि विकास और पर्यावरण साथ चल सकते हैं। मजबूत नीतियाँ, बेहतर आधारभूत ढाँचा और विश्वसनीय तकनीक मिली, तो भारत ग्रीन मोबिलिटी में विश्व नेतृत्व हासिल कर सकता है। तब दुनिया भारत को केवल बड़े वाहन बाजार के रूप में नहीं, बल्कि संसाधनों के पुनः उपयोग को विकास का आधार बनाने वाले देश के रूप में पहचानेगी। इस बदलाव का नायक कोई नया वाहन नहीं, बल्कि वही पुराना वाहन है, जिसे समाज ने नया उद्देश्य दिया। कल की सेकंड हैंड कार आज पर्यावरण की प्रहरी है। यही सोच कल के भारत की पहचान बन सकती है।

# यूरेनियम डील से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता भारत

**महेन्द्र तिवारी**

दुनिया इस समय ऊर्जा परिवर्तन के सबसे महत्वपूर्ण दौर से गुजर रही है। एक ओर जलवायु परिवर्तन की चुनौती देशों को कोयले और पेट्रोलियम जैसे पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने के लिए मजबूर कर रही है, तो दूसरी ओर तेजी से बढ़ती आबादी, औद्योगीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहनों और डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार ने बिजली की मांग को अभूतपूर्व स्तर तक पहुंचा दिया है। ऐसे समय में परमाणु ऊर्जा एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था के केंद्र में आ गई है। अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, दक्षिण कोरिया और कई अन्य देश अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रमों का विस्तार कर रहे हैं। इसी वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यूरेनियम आपूर्ति समझौते पर अंतिम मुहर लगना केवल एक व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, रणनीतिक स्वायत्तता और भविष्य की विकास यात्रा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।



भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान क्षमता की तुलना में यह कई गुना अधिक है और इसे हासिल करने के लिए नए परमाणु बिजलीघरों का निर्माण, आधुनिक रिएक्टरों की स्थापना और दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति आवश्यक होगी। सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि परमाणु ऊर्जा भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य का प्रमुख आधार बनेगी तथा इसे विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ा गया है।

यहीं पर ऑस्ट्रेलिया का महत्व सामने आता है। ऑस्ट्रेलिया दुनिया के सबसे बड़े ज्ञात यूरेनियम भंडार वाले देशों में गिना जाता है। लंबे समय तक वहां से भारत को यूरेनियम निर्यात का मार्ग विभिन्न नीतिगत और कानूनी कारणों से अवरुद्ध रहा, लेकिन अब प्रशासनिक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिए जाने के बाद भारत को वहां से दीर्घकालिक और विश्वसनीय ईंधन आपूर्ति का रास्ता खुल गया है। इससे भारत की नागरिक परमाणु परियोजनाओं को स्थिर ईंधन उपलब्ध होगा और भविष्य में बनने वाले नए रिएक्टरों को भी आवश्यक संसाधन मिल सकेंगे।

भारत के लिए यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश में प्राकृतिक यूरेनियम के सीमित भंडार हैं। भारत ने घरेलू स्तर पर यूरेनियम की खोज और उत्पादन बढ़ाने के प्रयास अवश्य किए हैं, लेकिन बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए केवल घरेलू संसाधनों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को लगातार ईंधन चाहिए और यदि आपूर्ति बाधित हो जाए तो उत्पादन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया जैसा भरोसेमंद साझेदार भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नया आधार प्रदान करता है।

यह समझौता केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है। परमाणु तकनीक का उपयोग चिकित्सा, कैंसर उपचार, कृषि अनुसंधान, खाद्य संरक्षण, अंतरिक्ष विज्ञान, औद्योगिक परीक्षण तथा उच्च स्तरीय वैज्ञानिक अनुसंधान में भी होता है। भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम, आधुनिक अनुसंधान संस्थान और कई उच्च तकनीकी परियोजनाएं परमाणु विज्ञान से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं। इसलिए यूरेनियम की स्थिर उपलब्धता देश की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को भी मजबूती देगी।

हालांकि इस समझौते को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि यह इतने वर्षों तक लंबित क्यों रहा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच असैन्य परमाणु सहयोग समझौता वर्ष 2014 में हो चुका था, लेकिन उसके बाद भी वास्तविक यूरेनियम आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। इसका सबसे बड़ा कारण परमाणु अप्रसार संधि यानी एनपीटी से जुड़ी ऑस्ट्रेलिया की पुरानी नीति थी। भारत इस संधि का सदस्य नहीं है। इसलिए ऑस्ट्रेलिया लंबे समय तक केवल उन्हीं देशों को यूरेनियम निर्यात करता था जो एनपीटी के सदस्य थे। बाद में भारत के जिम्मेदार परमाणु रिकॉर्ड, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी व्यवस्था तथा असैन्य और सैन्य परमाणु कार्यक्रमों के स्पष्ट पृथक्करण को देखते हुए दोनों देशों ने सहयोग का रास्ता निकाला। इसके बाद भी प्रशासनिक प्रक्रियाओं, सुरक्षा मानकों, निगरानी व्यवस्था और ईंधन के केवल शांतिपूर्ण उपयोग से जुड़े प्रावधानों को अंतिम रूप देने में वर्षों लग गए। अब जाकर यह प्रक्रिया पूरी हुई है।

भारत का परमाणु कार्यक्रम हमेशा शांतिपूर्ण उपयोग पर आधारित रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह विश्वास कायम किया है कि वह असैन्य परमाणु ईंधन का उपयोग केवल ऊर्जा उत्पादन और अन्य नागरिक उद्देश्यों के लिए करेगा। यही कारण है कि आज अनेक देश भारत के साथ परमाणु क्षेत्र में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया के साथ हुआ यह समझौता भी इसी भरोसे का परिणाम माना जा रहा है।

ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन, हाई स्पीड रेल, स्मार्ट शहर और डिजिटल अवसंरचना के विस्तार के कारण बिजली की मांग कई गुना बढ़ने वाली है। सौर और पवन ऊर्जा का विस्तार तेजी से हो रहा है, लेकिन इनकी सबसे बड़ी सीमा यह है कि इनका उत्पादन मौसम पर निर्भर रहता है। सूर्य न होने या हवा कम चलने पर उत्पादन घट जाता है। इसके विपरीत परमाणु ऊर्जा चौबीसों घंटे निरंतर बिजली उपलब्ध कराती है। यही कारण है कि विकसित देश भी नवीकरणीय ऊर्जा के साथ परमाणु ऊर्जा को समानांतर रूप से आगे बढ़ा रहे हैं भारत और ऑस्ट्रेलिया का यह समझौता केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, साइबर सुरक्षा, उन्नत प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में साझेदारी लगातार मजबूत हुई है।

यूरेनियम समझौता इस व्यापक रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय है। इससे दोनों देशों के बीच विश्वास और आर्थिक सहयोग भी बढ़ेगा।

इंडो पैसिफिक क्षेत्र में बदलते भू राजनीतिक समीकरणों ने भी इस समझौते को विशेष महत्व दिया है। चीन की बढ़ती सक्रियता, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अस्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े जोखिमों के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसे लोकतांत्रिक देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देश केवल व्यापारिक साझेदार नहीं बल्कि समान रणनीतिक सोच वाले सहयोगी के रूप में भी उभर रहे हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि भारत केवल एक देश पर निर्भर रहने की नीति नहीं अपना रहा। भारत पहले से कनाडा, कजाखस्तान और अन्य देशों के साथ भी यूरेनियम आपूर्ति को लेकर सहयोग बढ़ा रहा है। विभिन्न स्रोतों से ईंधन उपलब्ध होने का अर्थ है कि किसी एक क्षेत्र में संकट आने पर भी भारत की ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित नहीं होगी। यह विविधीकरण ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

कुछ लोगों का मानना है कि इस समझौते के बाद भारत में बिजली संकट हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। यह निष्कर्ष पूरी तरह सही नहीं होगा।

केवल यूरेनियम उपलब्ध हो जाने से बिजली उत्पादन स्वतः नहीं बढ़ जाता। इसके लिए नए परमाणु संयंत्रों का निर्माण, वित्तीय निवेश, प्रशिक्षित मानव संसाधन, सुरक्षा मानकों का पालन, बिजली प्रसारण नेटवर्क और समयबद्ध परियोजना प्रबंधन भी आवश्यक हैं। परमाणु बिजलीघर बनने में कई वर्ष लगते हैं और प्रत्येक परियोजना अत्यधिक तकनीकी एवं पूंजी आधारित होती है। इसलिए इस समझौते को एक महत्वपूर्ण आधार अवश्य माना जा सकता है, लेकिन इसे संपूर्ण समाधान नहीं कहा जा सकता।

# महिला आरक्षण, लोकसभा सीटों का विस्तार और लोकतंत्र की कसौटी

**– डॉ. प्रियंका सौरभ**

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा सौंदर्य उसकी समावेशी भावना है। यह व्यवस्था केवल शासन चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का संवैधानिक वादा भी है। महिलाओं की राजनीति में भागीदारी इसी वादे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या उनकी आबादी के अनुपात में बहुत कम रही है। इसलिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का विचार स्वाभाविक रूप से स्वागत योग्य माना जाता है। यह केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी प्रश्न है।

लेकिन महिला आरक्षण की इस ऐतिहासिक पहल के साथ एक नई बहस भी जन्म ले चुकी है। क्या महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने के लिए लोकसभा की कुल सीटों में भारी वृद्धि आवश्यक है? क्या मौजूदा 543 सीटों के भीतर ही यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकती? यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक, प्रशासनिक और संवैधानिक दृष्टि से भी गंभीर है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण और लोकसभा सीटों की संभावित वृद्धि दो अलग-अलग विषय हैं। महिला आरक्षण का संबंध निर्वाचित सीटों के आरक्षण से है, जबकि लोकसभा की सीटों का विस्तार भविष्य के परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जुड़ा हुआ विषय है। फिर भी आम नागरिक के मन में यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि यदि आरक्षण का उद्देश्य महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना है, तो क्या इसके लिए संसद का आकार बढ़ाना अनिवार्य है?

लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल अधिक सांसद होना नहीं है। लोकतंत्र की सफलता इस बात से मापी जाती है कि जनप्रतिनिधि कितने उत्तरदायी हैं, संसद में कितनी गंभीर बहस होती है, कानून कितनी गुणवत्ता से बनते हैं और जनता की समस्याओं का समाधान कितना प्रभावी ढंग से होता है। यदि केवल संख्या बढ़ाने से लोकतंत्र मजबूत होता, तो दुनिया के सबसे बड़े संसद वाले देश स्वतः सबसे बेहतर लोकतंत्र भी होते। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है।

भारत में आज भी लाखों लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, कृषि संकट और आधारभूत सुविधाओं जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में यदि संसद की संख्या बढ़ती है, तो जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इससे शासन अधिक प्रभावी होगा या केवल सरकारी खर्च बढ़ेगा? प्रत्येक सांसद के साथ वेतन, कार्यालय, कर्मचारी, आवास, यात्रा, सुरक्षा, संसदीय संसाधन और प्रशासनिक ढांचे का विस्तार भी जुड़ा होता है। इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने का निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वित्तीय निर्णय भी है।

हालांकि इस विषय पर यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि अक्सर सार्वजनिक चर्चा में सांसदों के वेतन और सरकारी खर्च के बारे में कई दावे किए जाते हैं, जिनके वास्तविक आंकड़े अलग हो सकते हैं। इसलिए किसी भी आर्थिक तर्क को प्रमाणित सरकारी आँकड़ों के आधार पर ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक विमर्श तथ्यों पर आधारित होना चाहिए, अतिशयोक्ति पर नहीं।

महिला आरक्षण के समर्थकों का तर्क है कि बिना संवैधानिक गारंटी के राजनीतिक दल महिलाओं को पर्याप्त टिकट नहीं देंगे। पिछले सात दशकों का अनुभव भी यही बताता है कि अधिकांश दल चुनावों में महिलाओं को सीमित अवसर देते रहे हैं। इसलिए आरक्षण आवश्यक है। यह तर्क मजबूत और ऐतिहासिक अनुभव पर आधारित है।

लेकिन दूसरी ओर एक चिंता यह भी व्यक्त की जाती है कि क्या आरक्षण का लाभ वास्तव में समाज के अंतिम पायदान की महिलाओं तक पहुंचेगा? भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना आज भी अत्यधिक संसाधन-आधारित प्रक्रिया है। ऐसे में संभावना रहती है कि टिकट वितरण में राजनीतिक परिवारों, प्रभावशाली नेताओं, आर्थिक रूप से सक्षम उम्मीदवारों अथवा पहले से प्रसिद्ध व्यक्तियों को प्राथमिकता मिले। यदि ऐसा होता है, तो ग्रामीण, गरीब, किसान, मजदूर और मध्यमवर्गीय महिलाओं का प्रतिनिधित्व अपेक्षित स्तर तक नहीं बढ़ पाएगा।

यह चुनौती केवल महिला आरक्षण की नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की समग्र संरचना की है। जब तक राजनीतिक दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व के अवसर नहीं देंगे, तब तक केवल संवैधानिक आरक्षण से अपेक्षित परिवर्तन सीमित रह सकता है। वास्तविक महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल संसद तक पहुँचाना नहीं, बल्कि निर्णय लेने की वास्तविक शक्ति देना भी है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना से जुड़ा है। लगभग सभी दल महिला सम्मान और महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, लेकिन टिकट वितरण, संगठनात्मक पदों और शीर्ष नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सीमित दिखाई देती है। यदि राजनीतिक दल स्वयं अपनी कार्यप्रणाली में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएँ, तो लोकतांत्रिक संस्कृति अधिक मजबूत होगी।

लोकसभा की सीटों में संभावित वृद्धि का एक दूसरा आयाम संघीय संतुलन भी है। परिसीमन के बाद जनसंख्या के आधार पर राज्यों के प्रतिनिधित्व में परिवर्तन हो सकता है। इससे विभिन्न राज्यों के बीच राजनीतिक शक्ति का संतुलन प्रभावित होने की संभावना पर भी विशेषज्ञ चर्चा करते रहे हैं। इसलिए यह केवल संसद की संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि भारतीय संघीय व्यवस्था का भी विषय है।

# आस्था या अंधविश्वास?

**वीरेंद्र बहादुर सिंह**

आज दुनिया अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AY), रोबोटिक्स, अंतरिक्ष अनुसंधान और डिजिटल तकनीक ने जीवन को पहले से अधिक सुविधाजनक बना दिया है। महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, व्यापार और प्रशासन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। लेकिन इस आधुनिक युग का एक विरोधाभासी सच यह भी है कि समाज का एक बड़ा वर्ग, विशेष रूप से अनेक महिलाएं, आज भी चमत्कारों, टोटकों और स्वयंभू बाबाओं के प्रभाव में दिखाई देती हैं।

सोशल मीडिया पर रोजाना ऐसे वीडियो और संदेशों की भरमार रहती है, जिनमें दावा किया जाता है कि किसी विशेष उपाय, मंत्र, धागे या पूजा-विधि से आर्थिक संकट, पारिवारिक समस्याएं, संतान-सुख, वैवाहिक तनाव या स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां दूर हो जाएंगी। इन दावों का सबसे अधिक प्रभाव उन महिलाओं पर पड़ता है, जब परिवार की खुशहाली और सुरक्षा को लेकर स्वाभाविक रूप से चिंतित रहती हैं।

महिलाएं परिवार की धुरी होती हैं। घर की जिम्मेदारियां, बच्चों का भविष्य, आर्थिक चुनौतियां और रिश्तों को संभालने का दबाव अक्सर उन्हें मानसिक तनाव में रखता है। जब लगातार प्रयासों के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं मिलता, तब कई बार वे किसी ऐसे सहारे की तलाश करती हैं, जो तुरंत राहत का आश्वासन देता हो। यहीं से अंधविश्वास का प्रवेश होता है। कुछ बाबा, तांत्रिक और तथाकथित आध्यात्मिक गुरु महिलाओं की भावनाएं और कमजोरियों का लाभ उठाकर उन्हें चमत्कारों के सपने दिखाते हैं। परिणामस्वरूप महिलाएं अपने विवेक की बजाय आश्वासनों पर भरोसा करने लगती हैं।

**आस्था क्या है?** आस्था व्यक्ति को मानसिक शक्ति देती है। यह कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने, सकारात्मक सोच विकसित करने और नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देती है। सच्ची आस्था में भय नहीं होता, बल्कि विश्वास और आत्मबल होता है। एक महिला जब ईश्वर में विश्वास रखकर अपने कर्तव्यों का पालन करती है, संघर्ष करती है और अपने परिवार को आगे बढ़ाने का प्रयास करती है, तो यह आस्था का स्वरूप है।

**अंधविश्वास क्या है?**

जब कोई व्यक्ति बिना तर्क, बिना प्रमाण और बिना विचार किए किसी चमत्कार, व्यक्ति या टोटके पर आंख मूंदकर विश्वास करने लगे, तो वह अंधविश्वास कहलाता है। यदि कोई महिला यह मान ले कि केवल किसी बाबा के आशीर्वाद से उसकी सभी समस्याएं समाप्त हो जाएंगी, या कोई विशेष धागा बांधने से जीवन की सारी बाधाएं दूर हो जाएंगी, तो यह आस्था नहीं, बल्कि अंधविश्वास

# पश्चिम बंगाल सहित देश भर में बढ़ता ही जा रहा है भाजपा का कुनबा

**अशोक भाटिया**

भारतीय राजनीति के समकालीन इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है, जहाँ राष्ट्रीय क्षितिज पर भारतीय जनता पार्टी का कुनबा न केवल मजबूत हुआ है, बल्कि अजेय होने की दिशा में बढ़ रहा है। कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कामरूप तक फैला भाजपा का यह संगठन अब उन दुर्गों को भी ध्वस्त कर चुका है, जो कभी अभेद्य माने जाते थे। इस राजनीतिक विस्तारवाद और कूटनीतिक कौशल का सबसे जीवंत और समकालीन उदाहरण पश्चिम बंगाल बनकर उभरा है। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली दो-तिहाई बहुमत की ऐतिहासिक जीत (207 सीटें) और उसके बाद मुख्य विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस में मची ऐतिहासिक भगदड़ ने यह सिद्ध कर दिया है कि देश में वैचारिक और ढांचागत राजनीति का संतुलन पूरी तरह बदल चुका है। विपक्ष का यह बिखराव और भाजपा के कुनबे का निरंतर विस्तार केवल सत्ता की ललक नहीं, बल्कि भारतीय जनमानस के भीतर गहरे तक पैठ बना चुके वैचारिक बदलाव का संकेत है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से अपनी वैचारिक कट्टरता, कैडर-आधारित संरचना और संस्थागत हिंसा के लिए जानी जाती रही है। तीन दशकों से अधिक का वामपंथी शासन और उसके बाद डेढ़ दशक का ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी का राज–दोनों ने ही राज्य में एक विशेष ह्यवोट-बैंकह्न और तुष्टिकरण की राजनीति को पोषित किया था। लेकिन शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा ने जिस प्रकार जमीनी स्तर पर संघर्ष किया, उसने इस अभेद्य दुर्ग की नींव हिला दी।

2026 के विधानसभा चुनाव परिणाम इस बात के गवाह हैं कि बंगाल की जनता अब परिवर्तन की एक नई परिभाषा चाहती थी। सत्ता में आते ही भाजपा सरकार ने जो विधायी और नीतिगत कदम उठाए–चाहे वह समान नागरिक संहिता को लागू करने की तैयारी हो, अवैध घुसपैठ पर कड़ा नियंत्रण हो, या अल्पसंख्यक मामलों के बजट में 60% से अधिक की कटौती करके ह्यतुष्टिकरण रहित विकासह्न का मॉडल पेश करना हो–इन सबने विपक्षी खेमे में भारी वैचारिक संकट पैदा कर दिया है। राजनीति में जब किसी दल की विचारधारा और सत्ता दोनों कमजोर पड़ती हैं, तो उसका सांगठनिक ढांचा ताश के पत्तों की तरह ढह जाता है। पश्चिम बंगाल में ठीक यही स्थिति बनी हुई है। टीएमसी के तीन वरिष्ठ पूर्व राज्यसभा सांसद–सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाईक–का सामूहिक रूप से पार्टी छोड़ना और कोलकाता में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करना, टीएमसी के ताबूत में आखिरी कील साबित हो रहा है। टीएमसी के तीन वरिष्ठ पूर्व राज्यसभा सांसद–सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाईक को अब भाजपा ने राज्यसभा की टिकट देकर संगठन को मजबूत किया है । यह दलबदल केवल साधारण नेताओं का नहीं है। ये टीएमसी के वो चेहरे थे जो राष्ट्रीय स्तर पर ममता बनर्जी की नीतियों की वकालत करते थे। इसके अतिरिक्त, टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत का नेतृत्व कर रहे रीताब्रत बनर्जी के गुट में 80 में से कम से कम 65 टीएमसी विधायकों का शामिल होना और उन्हें विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिलना यह दशार्ता है कि ममता बनर्जी का क्षेत्रीय तिलस्म पूरी तरह टूट चुका है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा के कुनबे के विस्तार का सबसे बड़ा ईंधन उसकी ह्लसनातन-संचालित विकास नीतिह्न है। वर्षों से जो बहुसंख्यक समाज राज्य में खुद को उपेक्षित और असुरक्षित महसूस कर रहा था, उसे भाजपा के नए बजट और नीतियों में एक नई आवाज मिली है। राज्य के बजट में ह्यवंदे मातरम संग्रहालयह्न की स्थापना, संस्कृत के संवर्धन के लिए ?50 करोड़ का आवंटन और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मंदिर कॉरिडोर का निर्माण शामिल है।इमामों और मुअज्जिनों के वजीफे में कटौती तथा मदरसों के बजट को सीमित कर उसे मुख्यधारा की शिक्षा (जैसे विवेकानंद छात्रवृत्ति) और सरकारी कर्मचारियों के लिए 20% महंगाई भत्ते की बढ़ोतरी में लगाना एक बड़ा नीतिगत बदलाव है।इसी वैचारिक स्पष्टता के कारण असम, त्रिपुरा और ओडिशा के बाद अब पश्चिम बंगाल के लोग भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय विकास मॉडल और राष्ट्रवाद पर पूरी तरह भरोसा जता रहे हैं। बंगाल तो केवल एक सिरा है; वास्तव में पूरे देश में भाजपा का सांगठनिक कुनबा अप्रत्याशित रूप से बढ़ रहा है।कृषि आंदोलनों और पारंपरिक राजनीतिक गतिरोधों को पीछे छोड़ते हुए पंजाब और हरियाणा में विपक्षी दलों के पूर्व सांसद, सरपंच और जमीनी कार्यकर्ता लगातार भाजपा का दामन थाम रहे हैं।ओडिशा में बीजद के बिखराव और असम में कांग्रेस के पतन ने भाजपा को पूर्व भारत का निर्विवाद नेता बना दिया है।बंगाल के इस दलबदल और आगामी राज्यसभा उपचुनावों में भाजपा की क्लीन स्वीप की संभावनाओं ने उच्च सदन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत के बेहद करीब पहुंचा दिया है। इससे सरकार के लिए बड़े संवैधानिक सुधारों का रास्ता साफ हो जाएगा।

यह बात भी ध्यान देने योग्य है कि किसी भी दल का असीमित विस्तार अपने साथ कुछ गंभीर सांगठनिक चुनौतियाँ भी लेकर आता है। भाजपा आज जिस दौर से गुजर रही है, वहाँ उसे ह्यअंतर्विरोधों के प्रबंधनह्न पर विशेष ध्यान देना होगा ।जब दूसरी पार्टियों के नेता थोक के भाव किसी सत्ताधारी दल में शामिल होते हैं, तो पार्टी के मूल कैडर में असंतोष पनपने का खतरा रहता है। ह्लकल के विरोधी आज के माननीयह्व बन जाते हैं, जिससे वैचारिक निष्ठा कमजोर हो सकती है।विपक्ष से आने वाले नेताओं पर अक्सर भ्रष्टाचार के आरोप होते हैं। भाजपा को यह सुनिश्चित करना होगा कि सत्ता के इस विस्तार में उसकी ह्यभ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंसह्न वाली छवि धूमिल न हो।चुनाव जीतना और सरकार चलाना दो अलग-अलग कलाएं हैं। पश्चिम बंगाल जैसे आर्थिक रूप से तनावग्रस्त और कर्ज में डूबे राज्य को विकास की पटरी पर लाना, उद्योगों को जबरन वसूली से मुक्त कराना और कानून व्यवस्था बनाए रखना एक अत्यंत कठिन कार्य है।

पश्चिम बंगाल सहित देश भर में भाजपा के बढ़ते कुनबे को केवल चुनावी अंकगणित के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। यह भारतीय राजनीति के केंद्र बिंदु का पूर्ण विस्थापन है। कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों का पुराना धर्मनिरपेक्षता और तुष्टिकरण का मॉडल अब अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। जनता अब एक स्थिर, राष्ट्रवादी और विकासोन्मुखी विकल्प चाहती है। सत्तारूढ़ दल के रूप में भाजपा के लिए यह विस्तार जहाँ उसकी रणनीतिक जीत है, वहीं एक ऐतिहासिक जिम्मेदारी भी है।

# रामभक्तों के खून से सना है सपा का इतिहास : मुख्यमंत्री

## समाज को बांटने की साजिश रचकर विकास प्रक्रिया को बाधित करती हैं सपा व कांग्रेस : मुख्यमंत्री-भटहट-बांसस्थान फोरलेन सड़क सहित करीब 758 करोड़ रुपये की लागत वाले 24 विकास कार्यों का योगी ने किया लोकार्पण व शिलान्यास

**गोरखपुर।**
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब भी मौका मिला, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) ने भारतीय मानबिंदुओं पर कुठाराघात किया है। सपा का इतिहास रामभक्तों के खून से सना हुआ है। जबकि, कांग्रेस की जब केंद्र में सरकार थी, तब उसने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर भगवान श्रीराम को मिथक और काल्पनिक साबित करने का कुत्सित प्रयास किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा जाति के नाम पर समाज को बांटने की साजिश रचकर विकास प्रक्रिया को बाधित करती है। इनसे आमजन को सतर्क रहना होगा।

योगी शनिवार शाम गोरखपुर में भटहट-बांसस्थान फोरलेन सड़क सहित करीब 758 करोड़ रुपये की 24 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।
मुख्यमंत्री योगी ने 697 करोड़ 49 हजार रुपये की लागत वाली पांच सड़कों का लोकार्पण और सड़क निर्माण एवं पर्यटन विकास से जुड़े, 60 करोड़ 63 लाख 96 हजार रुपये की लागत वाले 19 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। ये सभी कार्य पिपराइच विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हैं।
भटहट में फोरलेन सड़क का लोकार्पण करने के बाद, बांसस्थान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। समाज को जाति और वर्ग के नाम पर बांटने की साजिश विकास प्रक्रिया में बाधक बनती है। यही कार्य कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारें करती थीं। इसलिए उनसे विकास नहीं होता था। इन पार्टियों की सरकार में विकास की बजाय हिंदुओं का अपमान होता था। योगी ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उसने सर्वोच्च न्यायालय में शपथ पत्र देकर भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण को मिथक और काल्पनिक बताया था।
योगी ने कहा कि कांग्रेस शुरूआत से ही हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ करती रही है। भगवान सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में जब तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को बुलाया गया, तब भी इसका विरोध कांग्रेस ने ही किया था। कांग्रेस के साथ सपा को भी कटघरे में खड़ा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, सपा के बारे में तो कहना ही क्या, सपा का इतिहास रामभक्तों के खून से सना है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और सपा की सरकारों ने भारत की आस्था को अपमानित किया है। उनकी सरकारों में दंगे होते थे। पर्व-त्योहार प्रतिबंधित किए जाते थे। कांवड़ यात्रा रोकी जाती थी। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा की डबल इंजन सरकार विरासत के संरक्षण और विकास के विजन के साथ आगे बढ़ रही है तो इसे कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पचा नहीं पा रही हैं।
मुख्यमंत्री ने लोगों को विकास प्रक्रिया की महत्ता समझाते हुए कहा कि विकास ही अच्छे वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य का आधार है। उन्होंने लोगों को विकास के लिए एकजुट रहने की सीख देते हुए कहा कि यदि हम जातियों में बंटे तो इसकी कीमत वर्तमान और भावी पीढ़ी को चुकानी पड़ेगी।
विकास कार्यों की सौगात मिलने पर जनता को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब अच्छे लोग चुने जाते हैं तो परिणाम भी अच्छे आते हैं। अच्छे परिणाम से खुशहाली का रास्ता बनता है। उन्होंने जनता से कहा कि आपने गोरखपुर में अच्छे ब्लॉक प्रमुख, अच्छे विधायक और अच्छा सांसद चुना तो विकास का सिलसिला निरंतर आगे बढ़ रहा है।

## आईआईए बरेली की नई कार्यकारिणी का पहला मंथन, सदस्यता बढ़ाने और उद्योगों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर

**बरेली।**
इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) बरेली चैप्टर की वर्ष 2026-27 की पहली कार्यकारिणी बैठक शनिवार को होटल कासा डिवाइन में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता नव निर्वाचित चैप्टर चेयरमैन शेखर अग्रवाल ने की, जबकि संचालन चैप्टर सचिव धनंजय विक्रम सिंह ने किया। बैठक में नई कार्यकारिणी और विभिन्न विभागों के लिए सेक्टोरल कमेटियों की घोषणा की गई। साथ ही संगठन को अधिक सक्रिय, सदस्य-केंद्रित और परिणामोन्मुखी बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।
बैठक में चेयरमैन शेखर अग्रवाल ने कहा कि आईआईए का उद्देश्य केवल उद्योगों की समस्याएं उठाना नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध और प्रभावी समाधान कराना है। इसके लिए संगठन को मजबूत करने के साथ सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि उद्योगों से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए विभिन्न सरकारी विभागों के अनुसार सेक्टोरल कमेटियों का गठन किया गया है। अब किसी भी उद्यमी को संबंधित विभाग से जुड़ी समस्या होने पर वह सीधे संबंधित कमेटी के माध्यम से अपनी बात संगठन तक पहुंचा सकेगा। बैठक में वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी का परिचय भी कराया गया। धनंजय विक्रम सिंह को सचिव, आशीष गुप्ता को कोषाध्यक्ष, शार्दुल शंखधार को सह-कोषाध्यक्ष, अभिनव अग्रवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रजत मेहरोत्रा को उपाध्यक्ष तथा रोशन अग्रवाल, मनोज पंजाबी, तुषार गोयल, सलिल बंसल और अशोक मित्तल को सह सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।
ऋषभ दीक्षित को सह सचिव एवं मीडिया प्रभारी, आदित्य अग्रवाल को आईवाईसी कैप्टन, प्रियांक मूना को डायरी चेयरमैन, राजीव आनंद को मंथन मीटिंग इंचार्ज और अभिनव कटरू को लाइजन ऑफिसर बनाया गया।
बैठक में सदस्यता विस्तार को इस वर्ष की सबसे बड़ी प्राथमिकता बताया गया। चेयरमैन शेखर अग्रवाल ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों से आह्वान किया कि प्रत्येक सदस्य कम से कम पांच नए उद्योगों को आईआईए से जोड़े। उनका कहना था कि संगठन की वास्तविक ताकत उसकी सदस्य संख्या और सदस्यों की सक्रिय भागीदारी में निहित है।
कार्यकारिणी ने आगामी वर्ष की कार्ययोजना, उद्योग हित से जुड़े कार्यक्रमों, नियमित मंथन बैठकों, सदस्य सहभागिता बढ़ाने, केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठकों में उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा केंद्रीय कार्यालय की विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी चर्चा की।
आईवाईसी कैप्टन आदित्य अग्रवाल ने युवा उद्यमियों को संगठन से जोड़ने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने, नेटवर्किंग बढ़ाने और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षभर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी।
बैठक में आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने कहा कि संगठन उद्योगों और शासन-प्रशासन के बीच मजबूत सेतु की भूमिका निभा रहा है।

## बरेली में नमकीन फैक्ट्री पर एफएसडीए की छापेमारी, एक्सपायरी पामोलीन तेल सीज

**बरेली।**
खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने शनिवार को परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में दो नमकीन निर्माण इकाइयों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान एक फैक्ट्री में एक्सपायरी पामोलीन रिफाइंड तेल मिलने पर विभाग ने करीब 1.96 लाख रुपये कीमत का 89 टीन तेल सीज कर दिया। वहीं दूसरी फैक्ट्री में साफ-सफाई और उत्पादन संबंधी कमियां मिलने पर संचालक को सुधार नोटिस जारी किया गया।

एफएसडीए के अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश और जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देश पर की गई। सहायक आयुक्त (खाद्य) राहुल सिंह के नेतृत्व में टीम ने सबसे पहले परसाखेड़ा स्थित आलम फूड प्रोडक्ट का निरीक्षण किया। जांच के दौरान नमकीन निर्माण के लिए रखा गया रिफाइंड पामोलीन तेल अधिकारियों की नजर में आया। रिकॉर्ड और पैकेजिंग की जांच करने पर 89 टीन तेल की एक्सपायरी तिथि मई 2026 पाई गई।
निरीक्षण के दौरान कुल 1335 किलोग्राम एक्सपायरी तेल बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 1,96,245 रुपये आंकी गई। विभाग ने पूरे स्टॉक को मौके पर ही सीज कर दिया ताकि उसका उपयोग खाद्य सामग्री तैयार करने में न हो सके।
फैक्ट्री संचालक ने अधिकारियों को बताया कि संबंधित पामोलीन तेल का स्टॉक करीब दो घंटे पहले ही एक थोक विक्रेता ने फैक्ट्री पहुंचाया था। उसने खरीद से संबंधित बिल भी विभागीय टीम को उपलब्ध कराया। हालांकि अधिकारियों ने इस दलील के बावजूद मामले को गंभीर मानते हुए नमकीन का नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। जांच रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि उत्पाद निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरता है या नहीं।
सहायक आयुक्त (खाद्य) राहुल सिंह ने बताया कि एक्सपायरी खाद्य तेल मिलने के मामले में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधानों के तहत सक्षम न्यायालय में वाद दायर किया जाएगा। प्रयोगशाला की रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## भारतीय विश्वविद्यालय संघ के इंटर यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्य बने सीएसजेएमयू के डॉ. श्रवण कुमार यादव

**कानपुर।**
विश्वविद्यालयीय खेल गतिविधियों को नई दिशा एवं गति प्राप्त होगी। इससे विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिताओं में अधिक अवसर उपलब्ध होंगे तथा उनकी सहभागिता और प्रदर्शन में भी सकारात्मक वृद्धि होने की अपेक्षा है। यह बातें शनिवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने कहीं।
सीएसजेएमयू के शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्रवण कुमार यादव का चयन भारतीय विश्वविद्यालय संघ की 35वीं वार्षिक आम बैठक में सहभागिता के लिए किया गया।
यह महत्वपूर्ण बैठक एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु में आयोजित हुई, जिसमें देशभर के विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान विश्वविद्यालयी खेलों के विकास एवं सुदृढ़ीकरण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इनमें इंटर यूनिवर्सिटी खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं आवंटन, प्रतियोगिताओं के सफल संचालन के लिए ऑब्जर्वर्स की नियुक्ति, खेल गतिविधियों के प्रभावी समन्वय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर खेलों को और अधिक प्रोत्साहित करने संबंधी अनेक महत्वपूर्ण बिंदु शामिल रहे।
इस अवसर पर डॉ. श्रवण कुमार यादव को भारतीय विश्वविद्यालय संघ के इंटर यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्य के रूप में भी नामित किया गया है। यह नामांकन भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एक वर्ष की अवधि के लिए किया गया है। यह नामांकन विश्वविद्यालय एवं प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।
स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्य के रूप में डॉ. यादव इंटर यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड की विभिन्न बैठकों में सक्रिय सहभागिता करेंगे तथा विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली खेल गतिविधियों, नीतिगत निर्णयों एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के संचालन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
साथ ही वे भारतीय विश्वविद्यालय संघ के निर्धारित ढांचे के अंतर्गत विश्वविद्यालयी खेलों के प्रचार-प्रसार, उन्नयन तथा खेल संस्कृति को मजबूत बनाने में भी अपना योगदान देंगे।

## टेलीग्राम पर बाल यौन शोषण संबंधी अश्लील सामग्री बेचने का आरोपित गिरफ्तार

**फिरोजाबाद।**
थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिये बाल यौन शोषण संबंधी अश्लील सामग्री बेच कर पैसे कमाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्यवाही कर उसे जेल भेजा है।
अपर पुलिस अधीक्षक राजेश गुनावत के अनुसार, शिकोहाबाद कोतवाली के साइबर हैल्प डैस्क प्रभारी उप निरीक्षक फैसल खान को एनसीआरपी पोर्टल से जानकारी मिली थी कि शिकोहाबाद में नाबालिग बच्चों के यौन शोषण से सम्बंधित अश्लील सामग्री को ऑनलाइन टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से बेचा जा रहा है। इसके बदले में 200 रुपये यूपीआई के जरिये लिए जाते हैं। इस मामले की जांच के दौरान विजय राजपूत निवासी ओम नगर कोतवाली शिकोहाबाद का नाम प्रकाश में आया, जो इस पूरे घिनौने काम का सूत्रधार है। आरोपी के खिलाफ कोतवाली शिकोहाबाद में पॉस्को और आईटी एक्ट में मुकदमा दर्ज हुआ।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अदित्य लांग्हे के निर्देश पर जनपद में साइबर और पॉस्को एक्ट से जुड़े अपराधियों के खिलाफ धरपकड़ अभियान चल रहा है। इसी के क्रम में थाना प्रभारी शिकोहाबाद अनुज कुमार ने पुलिस टीम के साथ शनिवार को आरोपित विजय को सूचना पर असुआ रोड से गिरफ्तार किया है। आरोपित के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कार्रवाई कर उसे जेल भेजा है। इसके साथ ही इस मामले में साक्ष्य संकलन के आधार पर अन्य संभावित व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

## धोखाधड़ी कर बैंक से पैसा निकालने वाले दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

**नोएडा।**
थाना बीटा- दो पुलिस ने एक सूचना के आधार पर आज दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों ने एक बैंक के खाते से धोखाधड़ी करके 49 लाख 39 हजार 625 रुपए निकाल लिये थे।
थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने शनिवार को बताया कि उप निरीक्षक अंकित कुमार ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर प्रीतम पुत्र कांची रावल निवासी ग्राम घोड़ी बछेड़ा दादरी तथा सनी ठाकुर पुत्र सुरेश ठाकुर निवासी साहिबाबाद गाजियाबाद को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों ने एक बैंक से धोखाधड़ी करके 49 लाख 39 हजार 625 रुपए निकाल लिये थे। उन्होंने बताया कि इस घटना की जांच उप निरीक्षक अंकित कुमार द्वारा की जा रही थी। उन्होंने एक सूचना के आधार पर शुक्रवार की देर रात को दोनों को गिरफ्तार किया है।

## मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बिहार का टप्पेबाज गिरफ्तार, गोली लगी

**फिरोजाबाद।**
थाना दक्षिण पुलिस टीम ने शनिवार को 25 हजार के इनामिया बिहार के अंतर्राज्यीय टप्पेबाज अभियुक्त को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल अभियुक्त को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।
अपर पुलिस अधीक्षक नगर रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि 16 जून को पीड़ित राजीव शर्मा पुत्र शंकर लाल शर्मा के घर 02 अज्ञात व्यक्ति पीतल के बर्तन एवं सोने-चांदी के आभूषण साफ करने का बोलकर घुस आए एवं इसकी मां व पिता से आभूषण लेकर साफ करने का बहाना कर धोखाधड़ी करके आभूषणों को अपने साथ ले गये। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज व मुकदमे की जांच के दौरान 02 अभियुक्तों राजेश पुत्र गोपाल प्रसाद निवासी दाऊदनगर थाना नैनी जिला प्रयागराज व रामबदन उर्फ जादू उर्फ राजेश पुत्र राजेन्द्र शाह निवासी मधुरापुर थाना नारायणपुर जिला भागलपुर राज्य बिहार का नाम प्रकाश में आया। थाना दक्षिण पुलिस ने 4 जुलाई को अभियुक्त राजेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि दूसरे अभियुक्त रामबदन उर्फ जादू उर्फ राजेश की गिरफ्तारी पर 25 हजार का इनाम घोषित था।
उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी दक्षिण योगेंद्र पाल सिंह शनिवार को पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे तभी सूचना मिली कि वांछित अभियुक्त रामबदन उर्फ जादू उर्फ राजेश किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में गोवर्धन की ठार के जंगल में छुपा हुआ है।

## करंट लगने से आठ वर्षीय बच्चे की मौत

**गाजियाबाद।**
थाना टीला मोड़ क्षेत्र की इकबाल कालोनी में आज शाम को ट्रांसफार्मर में करंट उतरने से आठ वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक के परिवार के लोगों ने विद्युत निगम अधिकारियों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। इसके बाद विद्युत निगम के अधिकारियों ने मृतक के स्वजन को हर संभव कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## जनसंख्या असंतुलन राष्ट्र के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती : रमेश अवस्थी

**कानपुर।**
जनसंख्या असंतुलन केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक संतुलन से जुड़ा गंभीर विषय है। इस पर समाज को जागरूक होकर जिम्मेदारी निभानी होगी। यह बातें शनिवार को जनसंख्या असंतुलन और भारत का भविष्य" विषय पर विचार संगोष्ठी कार्यक्रम में कानपुर सांसद रमेश अवस्थी ने कहीं।
विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर लखनऊ फाटक स्थित एक निजी लॉन में जनसंख्या असंतुलन और भारत का भविष्य विषय पर विचार संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा कानपुर उत्तर के जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में कानपुर नगर के सांसद रमेश अवस्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश अवस्थी ने किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष उत्तर अनिल दीक्षित ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनसंख्या के प्रति जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व आवश्यक है।
संगोष्ठी में विषय के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श करते हुए राष्ट्रहित में जनजागरण का आह्वान किया गया।
कार्यक्रम में एमएलसी सलिल विश्नोई, हरि श्याम गुप्ता, अभिनव दीक्षित जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा, मंडल अध्यक्ष योगेश पांडेय, रमाशंकर अग्रहरि दीपक शुक्ला, विनोद गुप्ता उपेन्द्र शुक्ला हेमू पार्षद विकास जायसवाल आदर्श गुप्ता, सुभाष गौड़, मोनू गुप्ता, आशीष तिवारी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

## सीएसजेएमयू के दीक्षांत समारोह में सतत विकास अनुश्रवण डैशबोर्ड का शुभारंभ

**कानपुर।**
सीएसजेएमयू शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान के साथ-साथ सतत विकास लक्ष्यों को संस्थागत संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय उत्तरदायित्व विकसित करते हुए हरित एवं सतत परिसर का निर्माण करना है। यह बातें शनिवार को विश्विद्यालय के कुलपति : प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहीं।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के 41वें दीक्षांत समारोह में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को केंद्र में रखकर कई महत्वपूर्ण पहलें की गईं। समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय के सतत विकास अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं प्रतिवेदन केंद्र (स्टार्क) के सस्टेनेबिलिटी डैशबोर्ड का शुभारंभ किया।
यह डिजिटल मंच उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से पर्यावरण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सुशासन से जुड़े प्रदर्शन, ग्रीनहाउस गैस लेखांकन, सतत विकास लक्ष्यों का मानचित्रण, पर्यावरणीय प्रतिवेदन, शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य तथा स्थिरता संकेतकों की निगरानी और मूल्यांकन किया जा सकेगा।
इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सतत विकास सहायक, सतत विकास लक्ष्य संकेतक, केंद्रीकृत अनुश्रवण तथा पर्यावरणीय अभिलेख भंडार जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।
समारोह को एकल-उपयोग प्लास्टिक मुक्त दीक्षांत समारोह के रूप में आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और अतिथियों से पुनः उपयोग योग्य पानी की बोतलें साथ लाने की अपील की। कार्यक्रम स्थल पर पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त परिसर से जुड़े संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक भी किया गया।

## रामतीरथ हत्याकांड का खुलासा: पत्नी, भाई और चचेरे भाई ने मिलकर की थी हत्या

**बाराबंकी ।**
थाना सतरिख पुलिस ने सिकन्दरपुर माइनर में मिले अज्ञात शव की गुत्थी सुलझाते हुए सनसनीखेज रामतीरथ हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने शनिवार को मृतक की पत्नी, सगे भाई और चचेरे भाई को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नींद की गोलियां खिलाकर ईंट से कुचलने के बाद स्टोल से गला घोंटकर हत्या की थी और शव बोरी में भरकर माइनर में फेंक दिया था।
पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि 05 जुलाई को थाना सतरिख क्षेत्र के सिकन्दरपुर माइनर में 38 वर्षीय अज्ञात पुरुष का शव मिला था। शिनाख्त रामतीरथ पुत्र दयाराम रावत निवासी ग्राम मीसा, थाना गोसाईगंज, लखनऊ के रूप में हुई। 10 जुलाई को मृतक के पिता दयाराम की तहरीर पर सरफजीत (चचेरा भाई), रामदुलारी (पत्नी) और अवधेश कुमार (सगा भाई) के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया।
एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने मैनुअल इंटेलीजेन्स की मदद से तीनों आरोपियों को ग्राम मीसा से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सनसनीखेज खुलासा हुआ।

# पार्क बना बच्चों की पहली पसंद, झूलों और खेल उपकरणों से बढ़ी रौनक

**हमीरपुर।**
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के कुरारा विकास खंड परिसर में क्षेत्र पंचायत द्वारा कराए गए पार्क के सुंदरीकरण एवं आधुनिकीकरण के बाद यह बच्चों और अभिभावकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। पार्क में बच्चों के लिए विभिन्न खेल उपकरण एवं झूले स्थापित किए गए हैं, जिससे सुबह और शाम यहां बच्चों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है।
बताया जाता है कि विकास खंड परिसर में स्थित यह पार्क लंबे समय से उपेक्षित पड़ा हुआ था। ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल की पहल पर पार्क का सुंदरीकरण कराया गया तथा बच्चों के मनोरंजन के लिए आधुनिक खेल उपकरण लगाए गए। पार्क के नवीनीकरण के बाद क्षेत्र के बच्चों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और वे प्रतिदिन यहां पहुंचकर खेल गतिविधियों का आनंद ले रहे हैं। कस्बे में बच्चों के लिए किसी सार्वजनिक मनोरंजन स्थल की कमी महसूस की जा रही थी। ऐसे में इस पार्क के विकसित हो जाने से अभिभावकों को भी बच्चों के साथ समय बिताने के लिए एक सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान मिल गया है। पार्क के समीप निर्मित दूसरे पार्क में भी स्थानीय लोग सुबह-शाम बैठकर समय व्यतीत कर रहे हैं।

ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल ने शनिवार को बताया कि पार्क की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही पार्क के चारों ओर पैदल चलने के लिए पाथवे का निर्माण कराया गया है, जिससे लोग मॉर्निंग वॉक और सैर का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि जल्द ही पार्क में हरी घास भी लगाई जाएगी, जिससे इसकी सुंदरता और बढ़ेगी। पार्क में उपलब्ध सुविधाओं और बच्चों के लिए लगाए गए झूलों एवं खेल उपकरणों के कारण क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक स्थल पर ऐसी सुविधाएं मिलने से बच्चों को स्वस्थ मनोरंजन का अवसर मिल रहा है और परिवारों को एक बेहतर सामुदायिक वातावरण उपलब्ध हुआ है।

# वैश्विक कमजोरी और ईरान-अमेरिका तनाव से डगमगाया शेयर बाजार

## मॉनसून की उम्मीदें और विदेशी निवेशकों की खरीदारी से बढ़ा मनोबल

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह किसी रोलरकोस्टर राइड से कम नहीं रहा, जो वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और मजबूत घरेलू संकेतों के बीच झूलता रहा। सप्ताह की शुरुआत शानदार तेजी से हुई, लेकिन बुधवार को एक बड़े भूचाल ने निवेशकों को हिला दिया। हालांकि, बाजार ने हार नहीं मानी और सप्ताह के अंत तक जोरदार वापसी करते हुए निवेशकों को कुछ राहत दी।

सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार बढ़त के साथ हुई, जब मॉनसून की उम्मीदें और विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से निवेशकों का मनोबल बढ़ा। सेंसेक्स 521 अंक और निफ्टी 24,400 के पार बंद हुआ, हालांकि व्यापक बाजार का रुझान नकारात्मक था, जो चुनिंदा शेयरों तक ही तेजी सीमित होने का संकेत था। मंगलवार को शुरुआती तेजी के बाद बाजार में हल्की कमजोरी दिखी और दोनों सूचकांक मामूली गिरावट के साथ बंद हुए, जिससे चार दिनों की बढ़त का सिलसिला टूट गया। सप्ताह का सबसे बड़ा झटका बुधवार को लगा, जब वैश्विक बाजारों में कमजोरी, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से भारतीय बाजार में भारी बिकवाली हुई। सेंसेक्स 1,677 अंक और निफ्टी 581 अंक लुढ़ककर 23,900 के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे बंद हुआ। इस ब्लैक डे पर निवेशकों के 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए, जिससे बीएसई का कुल मार्केट कैप घटकर 472 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। हालांकि बाजार ने गुरुवार को शुरुआती रिकवरी दर्ज की, जिससे निवेशकों को थोड़ी राहत मिली। सेंसेक्स 238 अंक और निफ्टी 80 अंक से अधिक बढ़कर बंद हुए। सप्ताह का अंत शुक्रवार को जोरदार तेजी के साथ हुआ, जिसने निवेशकों को गदगद कर दिया।

सेंसेक्स 827 अंक और निफ्टी 244 अंक बढ़कर बंद हुए। इस तेजी के साथ सेंसेक्स 77,569.39 और निफ्टी 24,206.90 के स्तर पर पहुंच गए। कुल मिलाकर यह सप्ताह भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण अत्यधिक अस्थिर रहा, लेकिन घरेलू कारकों और मजबूत खरीदारी के दम पर बाजार ने बुधवार के बड़े झटके से उबरने की उल्लेखनीय क्षमता दिखाई।

## पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण से 1.90 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचीः सरकार

**नई दिल्ली ।**

सरकार ने पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण (ईबीपी) कार्यक्रम का बचाव करते हुए कहा कि इससे चीनी उद्योग को मजबूती मिली है, किसानों की आय बढ़ी है और 2014-15 से अब तक 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। खाद्य मंत्रालय के एक अे धिकारी ने अनाज एथनॉल विनिर्माता संघ (जीईएमए) के सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटी है और लगभग 930 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है। उन्होंने कहा कि एथनॉल कृषि अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बन गया है, जिससे किसानों की आय बढ़ी, गन्ना किसानों को समय पर भुगतान मिला और चीनी उद्योग सशक्त हुआ। उत्पादन क्षमता 21 करोड़ से बढ़कर 2,000 करोड़ लीटर हो गई है, जिसमें मक्का भी प्रमुख कच्चा माल बनकर उभरा है।

## एप्पल ने ओपनएआई पर ठोका ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा

### पूर्व कर्मचारियों के जरिए गोपनीय डेटा चुराने में मदद का आरोप

**मुंबई।**

दुनिया की दो दिग्गज टेक कंपनियों एप्पल और चैटजीपीटी बनाने वाली ओपनएआई के बीच गोपनीय जानकारी को लेकर छिड़ा विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल गया है। एप्पल ने अमेरिका की एक अदालत में ओपनएआई और अपने दो पूर्व कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि एप्पल की गोपनीय हार्डवेयर जानकारी और ट्रेड सीक्रेटका उपयोग कर ओपनएआई अपने एआई हार्डवेयर बिजनेस को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, ओपनएआई ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। एप्पल का दावा है कि उसके पूर्व कर्मचारियों ने कंपनी छोड़ने के बाद या उससे पहले गोपनीय दस्तावेजों और तकनीकीजानकारी तक अनधिकृत पहुंच बनाई, संवेदनशील फाइलें डाउनलोड या ट्रांसफर कीं।

कंपनी का आरोप है कि इस जानकारी का उपयोग भविष्य के एआई-आधारित डिवाइस बनाने में किया जा सकता है। मुकदमे में, एप्पल ने एक कर्मचारी पर नौकरी छोड़ने के बाद भी नेटवर्क से गोपनीय हार्डवेयर फाइलें डाउनलोड करने और दूसरे पर इस्तीफा देने से पहले सप्लायर नेटवर्क की जानकारी निजी ईमेल पर भेजने का आरोप लगाया है। विशेषज्ञों के अनुसार यह मामला सिर्फ गोपनीय जानकारी तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य के एआई हार्डवेयर बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ा है। रिपोर्ट है कि ओपनएआई ऐसे एआई डिवाइस पर काम कर रहा है जो पारंपरिक स्मार्टफोन पर निर्भरता कम कर सकते हैं, जिससे आईफोन को कड़ी चुनौती मिल सकती है।

ओपनएआई ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उसका ध्यान केवल ऐसी नई तकनीक विकसित करने पर है जो दुनिया भर के लोगों को लाभ पहुंचाए।

## सेबी ने म्यूचुअल फंड के लिए इंट्राडे उधारी के नियम बदले

### 1 सितंबर से मिलेगी अधिक सहूलियत

**नई दिल्ली ।**

बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए एक बड़ा कदम उठाया है, जिसने कारोबारी सत्र के दौरान ली जाने वाली 'इंट्राडे' उधारी के दायरे का विस्तार किया है। यह बदलाव म्यूचुअल फंड योजनाओं के संचालन में अधिक लचीलापन और दक्षता लाएगा, और नए नियम 1 सितंबर से प्रभावी होंगे। इससे पहले म्यूचुअल फंड को केवल अस्थायी नकदी जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेने की अनुमति थी, और वह भी कड़ी नियामकीय सीमाओं के तहत। सेबी द्वारा शुक्रवार को जारी संशोधित ढांचे के तहत, अब परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) इस उधारी का इस्तेमाल निवेश के भुगतान, रोजाना के नफा-नुकसान समायोजन, विदेशी लेनदेन निपटान और पुराने कर्ज चुकाने जैसे विभिन्न कार्यों के लिए भी कर सकेंगी। नियामक का मानना है कि यह कदम विभिन्न बाजारों के अलग-अलग निपटान समय के कारण उत्पन्न होने वाले नकदी असंतुलन को प्रभावी ढंग से दूर करेगा।

## इक्विटी टी म्यूचुअल फंड्स बने निवेशकों की पहली पसंद

### कुल एयूएम रिकॉर्ड स्तर पर; डेट फंड्स से निकासी जारी

**नई दिल्ली ।**

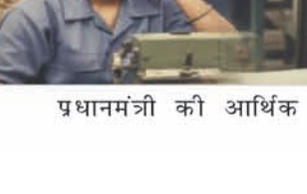


शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय निवेशकों का भरोसा म्यूचुअल फंड्स पर लगातार मजबूत हो रहा है। जून 2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में रिकॉर्ड 28,973 करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश आया, जो मई के 22,907 करोड़ रुपये से 26 फीसदी अधिक है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों में सामने आई है। इस रिकॉर्ड निवेश के साथ भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) (30 जून तक 82,22,480.04 करोड़ रुपए के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। एएमएफआई डेटा के अनुसार मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। मिडकैप फंड्स में सर्वाधिक 6,090 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, इसके बाद स्मॉलकैप फंड्स में 5,602 करोड़ रुपए और फ्लेक्सी कैप फंड्स में 5,231 करोड़ रुपए का निवेश आया। मल्टीकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी क्रमशः 3,070 करोड़ और 2,067 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया। हालांकि, एक तरफ जहां इक्विटी म्यूचुअल फंड्स निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं, वहीं डेट म्यूचुअल फंड्स से निकासी का सिलसिला जारी है।

## पोस्ट ऑफिस आरडी योजना, छोटे निवेश से बनाएं लाखों का बड़ा फंड

### 100 से शुरू करें मासिक बचत, 6.7 फीसदी ब्याज के साथ पाएं लोन सुविधा

**नई दिल्ली ।**

आज के समय में सुरक्षित निवेश और आकर्षक रिटर्न की तलाश हर किसी को होती है। ऐसे में भारतीय डाकघर की रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) स्कीम आम नागरिकों के लिए एक विश्वसनीय और बेहतरीन विकल्प बनकर उभरी है। यह सरकारी छोटी बचत योजना कम जोखिम पर भविष्य के लिए एक मजबूत फंड तैयार करने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है। आप इस योजना में न्यूनतम 100 प्रति माह से निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। वर्तमान में इस पर 6.7 फीसदी सालाना ब्याज दिया जा रहा है, हालांकि छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरें तिमाही आधार पर संशोधित की जाती हैं। इसकी मूल परिपक्वता अवधि 5 साल है, जिसे निवेशक अपनी सुविधा अनुसार अगले 5 साल के लिए बढ़ा सकते हैं। खास बात यह है कि एक साल तक नियमित जमा के बाद जमा राशि के 50 फीसदी तक लोन की सुविधा भी मिलती है। जरूरत पड़ने पर तीन साल बाद समय से पहले खाता बंद करने का विकल्प भी उपलब्ध है, हालांकि ऐसे में ब्याज दर बदल जाती है। यह योजना हर वर्ग के लिए सुलभ है,

जहां नाबालिगों के लिए अभिभावक द्वारा और संयुक्त खाते की सुविधा भी है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति हर महीने 9500 रुपए जमा करता है, तो 5 साल में उसे लगभग 6.77 लाख रुपए (जिसमें 1.07 लाख ब्याज होगा) मिलेंगे। इसे 10 साल तक जारी रखने पर कुल रकम लगभग 16.23 लाख रुपए तक पहुंच सकती है, जिसमें 4.83 लाख रुपए ब्याज के रूप में होंगे।

## एक्साइड इंडस्ट्रीज को बेंगलुरु प्लांट से तीसरी तिमाही में राजस्व की उम्मीद

### प्रोजेक्ट पर 4,802 करोड़ खर्च कर चुकी है कंपनी

**नई दिल्ली ।**

एक्साइड इंडस्ट्रीज को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही से उसके बेंगलुरु स्थित लिथियम-आयन सेल विनिर्माण संयंत्र से राजस्व आना शुरू हो जाएगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद मीडिया से बातचीत में यह जानकारी दी। कंपनी ने इस परियोजना पर अब तक लगभग 4,802 करोड़ रुपये का निवेश किया है और चालू वित्त वर्ष में 1,400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने की योजना है, जिससे कुल निवेश 6,202 करोड़ रुपये हो जाएगा। रॉय ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि लिथियम-आयन व्यवसाय को चालू करना और उसका विस्तार करना कंपनी की पहली प्राथमिकता है, जिसे इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बढ़ती मांग से बल मिल रहा है। कंपनी 6 गीगावॉट प्रति घंटे की क्षमता के साथ आगे बढ़ रही है और इसे 12 जीडब्ल्यूएच तक बढ़ाने की योजना , ताकि भारत के ऊर्जा बदलाव का 2030 तक लाभ उठाया जा सके। मोबिलिटी और स्टेशनरी स्टोरेज एप्लीकेशन के लिए चुनिंदा मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) और अन्य ग्राहकों के साथ बातचीत में

अच्छी प्रगति हुई है। कंपनी के प्रांतिज (गुजरात) संयंत्र के जरिये इसके मॉड्यूल और पैक का कारोबार भी परिचालनगत मौजूदगी दर्ज कर चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी अपने प्रमुख लेड-एसिड बैटरी कारोबार को भी संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने इस बाजार को 45,000 करोड़ रुपये का बताते हुए कहा कि अगले पांच वर्षों में इसके 55,000 करोड़ रुपये तक बढ़ने की उम्मीद है, जिससे इसमें भी वृद्धि की राह बनी रहेगी।

## महिला श्रम भागीदारी की राह में रोजगार की कमी सबसे बड़ी बाधाः ईएसी-पीएम अध्यक्ष



**नई दिल्ली ।**

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष एस. महेंद्र देव ने कहा है कि भारत में महिलाओं की श्रम भागीदारी बढ़ाने में अब सामाजिक सोच और परंपरागत मान्यताओं से कहीं अधिक बड़ी समस्या पर्याप्त रोजगार के अवसरों की कमी बन गई है। नई दिल्ली में एक संगोष्ठी में उन्होंने बताया कि शिक्षित महिलाओं में अधिक बेरोजगारी और श्रम-प्रधान क्षेत्रों में पर्याप्त नौकरी सृजन न होना इस बात का प्रमाण है कि चुनौती अब रोजगार की मांग से जुड़ी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मेरा मानना है कि महिलाओं के रोजगार में सबसे बड़ी बाधा नौकरियों की कमी है। यदि उपयुक्त रोजगार उपलब्ध होंगे, तो वे निश्चित रूप से कार्यबल में शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि शिक्षित महिलाओं में लगभग 40 प्रतिशत बेरोजगारी भी इसी समस्या को उजागर करती है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, महिलाओं की बढ़ती श्रम भागीदारी समावेशी और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अवैतनिक कार्यों को शामिल करने पर महिलाएं पुरुषों से अधिक काम करती हैं, जिसका मौद्रिक मूल्य देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 10 प्रतिशत हो सकता है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के हालिया आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर लगभग 40 प्रतिशत है।

## भारत का लक्ष्य, 2030 तक 150 अरब डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात

### नीतिगत स्थिरता और एमएसएमई का वैश्विक मूल्य श्रंखलाओं में एकीकरण महत्वपूर्ण

**नई दिल्ली ।**

भारत सरकार ने वर्ष 2030 तक 150 अरब डॉलर (लगभग 12.5 लाख करोड़ रुपये) के महत्वाकांक्षी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने हेतु उद्योग जगत के साथ एक चिंतन शिविर का आयोजन किया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग तेज़ी से वैश्विक मूल्य शृंखलाओं पर निर्भर है। उन्होंने भारत की नीतिगत व्यवस्था में स्थिरता और स्पष्टता की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि देश इन मूल्य शृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ा सके। अग्रवाल ने सुझाव दिया कि घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने वाली नीतियां और निर्यात-आधारित विनिर्माण को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां अलग-अलग हो सकती हैं। चिंतन शिविर में वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार में लगभग 90 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली मूल्य शृंखलाओं में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया। इससे एमएसएमई बड़ी विनिर्माण कंपनियों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में विकसित हो सकेंगे। इस रचनात्मक संवाद में वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों और निर्यात संवर्धन परिषदों के सदस्यों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य सभी हितधारकों के लिए संतुलित और व्यावहारिक नीतिगत सिफारिशें तैयार करना था।

## पारदर्शिता से बढ़ेगा रियल एस्टेट निवेश यूपी रेरा

### यूपी में परियोजनाओं के बड़े आकार के कारण 40 फीसदी उपभोक्ता शिकायतें

**नई दिल्ली ।**

यूपी-रेरा के एक अे धिकारी ने भारतीय रियल एस्टेट बाजार में पूर्ण पारदर्शिता की वकालत करते हुए कहा है कि इससे विकास कार्यों के लिए आवश्यक निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने शुक्रवार को यह बात कही। एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि रेरा का उद्देश्य नियमन है, नियंत्रण नहीं, बल्कि घर खरीदारों और परियोजना प्रवर्तकों के हितों में संतुलन साधना है। उन्होंने देश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और आवासीय व वाणिज्यिक संपत्तियों की बढ़ती मांग का जिक्र करते हुए सभी हितधारकों से इस क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। अे धिकारी ने रियल एस्टेट उद्योग संगठनों से क्षेत्र में हर स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8-9 प्रतिशत का योगदान देता है और 125 से अधिक सहायक उद्योगों को सहारा देता है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के विकास के लिए निवेश का प्रवाह जारी रहना चाहिए, जिसमें नियामक प्राधिकरण की भूमिका भी अहम है। उत्तर प्रदेश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य में 308 परियोजनाएं रेरा के तहत पंजीकृत हैं, जिनका औसत आकार 333 इकाइयों का है। परियोजनाओं के बड़े आकार के कारण, राष्ट्रीय स्तर पर कुल रेरा उपभोक्ता शिकायतों में उत्तर प्रदेश का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत है। उन्होंने प्रवर्तकों, एजेंटों और घर खरीदारों सहित सभी संबंधित पक्षों की मदद से हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

## एसबीआई फंड्स आईपीओ से पहले बड़ा खुलासा, 30 साल पुराने दस्तावेज़ गायब

### कंपनी ने प्रोस्पेक्टस में माना, 11,693 करोड़ के आईपीओ पर गहराया संदेह

**नई दिल्ली।**

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड का बहुप्रतीक्षित आईपीओ इस हफ्ते बाजार में दस्तक देने वाला है। हालांकि, इश्यू से ठीक पहले कंपनी ने अपने रेड हेयरिंग प्रोस्पेक्टस में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। कंपनी ने स्वीकार किया है कि उसके कुछ बेहद महत्वपूर्ण और लगभग तीन दशक पुराने रिकॉर्ड्स और दस्तावेज गायब हो गए हैं, जिन्हें वह लाख कोशिशों के बाद भी खोज नहीं पा रही है। गायब हुए दस्तावेज़ करीब तीन दशक पुराने हैं, जिनमें 30 जून, 1992 के अतिरिक्त इश्यू और 7 नवंबर, 1997 के राइट्स इश्यू से जुड़े ऑफर और अलॉटमेंट लेटर शामिल हैं। कंपनी ने इन दस्तावेजों को खोजने के लिए एक स्वतंत्र कंपनी सेक्रेटरी फर्म को भी लगाया, जिसने रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी), एमसीए पोर्टल्स और कंपनी के रजिस्टर्ड ऑफिस में गहन तलाशी ली, लेकिन रिकॉर्ड्स का पता नहीं चल सका। आरएचपी में कंपनी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल इन गायब दस्तावेजों को लेकर उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही या पेनल्टी नहीं चल रही है। हालांकि, कंपनी यह आश्वासन नहीं दे सकती कि भविष्य में गुम दस्तावेजों के संबंध में उसके विरुद्ध कोई कानूनी या नियामकीय कार्रवाई शुरू नहीं की जाएगी। ऐसी स्थिति में, कंपनी पर संभावित जुर्माना या नुकसान का सटीक आकलन अभी नहीं किया जा सकता, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति और बाजार में प्रतिष्ठा पर गंभीर असर पड़ सकता है। यह 14 से 16 जुलाई तक खुलने वाले 11,693 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए चिंता का विषय बन गया है।

## होम लोन में सिर्फ ईएमआई नहीं, कुल ब्याज पर करें फोकस

**नई दिल्ली ।**

घर खरीदना हर किसी का सपना होता है, लेकिन अक्सर लोग होम लोन लेते समय सिर्फ मासिक ईएमआई पर ध्यान देते हैं। यह जल्दबाजी बाद में महंगी साबित हो सकती है, क्योंकि बैंक को चुकाई जाने वाली कुल रकम आपकी उम्मीद से कहीं ज्यादा हो सकती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सिर्फ ईएमआई नहीं, बल्कि कुल ब्याज और लोन की अवधि को ध्यान में रखकर ही होम लोन का फैसला लेना चाहिए। चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन कौशिक बताते हैं कि 8.5त्न ब्याज दर पर 20 साल के लिए 50 लाख रुपये का होम लोन लेने पर मासिक ईएमआई भले ही करीब 43,390 रुपये लगे, लेकिन कुल चुकाई गई रकम 1.04 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है, जिसमें 54 लाख रुपये सिर्फ ब्याज होगा।

इसका मतलब है कि आप जितनी रकम उधार लेते हैं, लगभग उतनी ही ब्याज के रूप में चुकानी पड़ती है। शुरुआती सालों में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में जाता है, जिससे मूलधन धीरे-धीरे कम होता है। लाखों रुपये का ब्याज बचाने और लोन जल्दी खत्म करने के लिए प्री-पेमेंट एक प्रभावी तरीका है। यदि हर साल एक अतिरिक्त ईएमआई चुकाई जाए, तो 20 साल का लोन करीब 5 साल पहले खत्म हो सकता है और लगभग 13 लाख रुपये का ब्याज बच सकता है। इसी तरह, आय बढ़ने पर हर साल ईएमआई में 5 फीसदी की बढ़ोतरी करने से 20 साल का लोन 12 साल में चुकाया जा सकता है। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि 8.5 फीसदी या अधिक ब्याज दर वाले होम लोन की तुलना में निवेश से लगातार बेहतर रिटर्न कमाना मुश्किल है, इसलिए प्री-पेमेंट निश्चित बचत प्रदान करती है।

# सर्वेश बने पोडियम फिनिश करने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर एथलीट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के हाई जंप में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश अनिल कुशारे ने शुक्रवार (10 जुलाई) को मोनाको में डायमंड लीग में तीसरे नंबर पर रहकर इतिहास रचा। वह डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए शीर्ष-3 में रहने वाले पहले भारतीय बने। विश्व के दिग्गज खिलाड़ी ओलेह डोरोशचुक, पूर्व ओलंपिक चैंपियन मुताज बारशिम, वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट जान स्टेफेला और जैक किमानी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का मुकाबला करते हुए कुशारे 2.26 मीटर कूदकर किमानी और डोरोशचुक से पीछे रहे।

कुशारे से पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और श्रीशंकर मुरली वह भारतीय हैं,जो डायमंड लीग में टॉप-3 रहे हैं। महाराष्ट्र के 31 साल के कुशारे ने 2.16 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और 2.26 मीटर तक आसानी से पहुंच गए, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में उन्हें मुश्किल हुई और डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए तीसरे स्थान पर रहे।

### कुशारे का दूसरा बड़ा टूर्नामेंट

पिछले दो सालों में कुशारे के लिए यह दूसरा बड़ा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह 2025 टोक्यो वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। दुनिया में 9वें स्थान पर काबिज इस सीजन में सिर्फ तीन जंपर्स ही सर्वेश के 2.31 मीटर के मार्क को बेहतर कर पाए हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा।

### कुशारे के नाम रिकॉर्ड

हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। सर्वेश कुशारे ने 2018 में तेजस्विन शंकर के बनाए नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2022 में नेशनल गेम्स में 2.27मीटर की जंप लगाने के तीन साल बाद सर्वेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2.28 मीटर का जंप लगाकर नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया।

# सिनर ने जोकोविच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

**लंदन एजेंसी।** विंबलडन 2026 के पुरुष एकल फाइनलिस्ट तय हो गए हैं। मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर-1 यानिक सिनर ने सात बार के विंबलडन विजेता नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में जगह बना ली। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने ब्रिटेन के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी के शानदार अभियान पर विराम लगाते हुए पहली बार विंबलडन फाइनल का टिकट हासिल किया। अब रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में मौजूदा चैंपियन सिनर और फ्रेंच ओपन चैंपियन ज्वेरेव आमने-सामने होंगे।पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इटली के यानिक सिनर ने अनुभवी नोवाक जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पूरे मुकाबले में सिनर ने आक्रामक खेल दिखाया और जोकोविच को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

यह जीत सिनर के लिए खास रही क्योंकि इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जोकोविच ने उन्हें पांच सेटों तक चले मुकाबले में हराया था। सिनर ने उस हार का हिसाब बराबर करते हुए विंबलडन के फाइनल में प्रवेश किया। 39 वर्षीय जोकोविच का रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी इस हार के साथ टूट गया। दूसरी ओर, फ्रेंच ओपन में मिली निराशा के बाद सिनर ने साबित कर दिया कि वह पूरी तरह फिट हैं और लगातार दूसरी बार विंबलडन खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं।

### विंबलडन 2026 के खिताबी मुकाबले में ज्वेरेव से टक्कर

### ज्वेरेव पहली बार पहुंचे विंबलडन फाइनल

पहले सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने घरेलू दर्शकों के चहेते ब्रिटिश खिलाड़ी आर्थर फेरी को 7-6 (7-0), 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन फाइनल में जगह बनाई। पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। फेरी ने शानदार संघर्ष करते हुए मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन टाई-ब्रेक में ज्वेरेव ने 7-0 से जीत दर्ज कर मैच पर पकड़ बना ली। इसके बाद दूसरे और तीसरे सेट में उनकी दमदार सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने फेरी टिक नहीं सके। ज्वेरेव ने 2 घंटे 14 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया।

### लगातार दूसरे ग्रैंडस्लैम खिताब के करीब

29 वर्षीय ज्वेरेव पिछले महीने रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) जीतकर अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। अब वह लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। वह विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले बोरिस बेकर और माइकल स्टिच यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस टूर्नामेंट में ज्वेरेव ने अब तक केवल दो सेट गंवाए हैं और सोमवार को जारी होने वाली एटीपी रैंकिंग में वह फिर से विश्व नंबर-2 बन जाएंगे। अगर ज्वेरेव रविवार को खिताब जीतते हैं तो वह ओपन एरा में एक ही सीजन में फ्रेंच ओपन और विंबलडन दोनों जीतने वाले केवल सातवें खिलाड़ी बन जाएंगे।

### हार के बावजूद छाए आर्थर फेरी

ब्रिटेन के 23 वर्षीय आर्थर फेरी का यादगार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हुआ, लेकिन उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान से शुरुआत करने वाले फेरी ने दमिर जुमहुर, ओटो विर्तानेन, जिजू बर्ग्स, ग्रिगोर दिमित्रोव और फ्लावियो कोबोली जैसे खिलाड़ियों को हराकर अंतिम चार तक का सफर तय किया। उनके इस प्रदर्शन के दम पर लाइव रैंकिंग में 78 स्थानों की छलांग लगी है और वह करियर की सर्वश्रेष्ठ 36वीं रैंकिंग तक पहुंच गए हैं। उन्हें 9 लाख पाउंड की पुरस्कार राशि भी मिली, जो उनके पूरे करियर की अब तक की कुल कमाई से अधिक है।

### हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

## लॉर्ड्स में अर्धशतक लगाकर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 58 रन की शानदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह लॉर्ड्स के मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। इतना ही नहीं, महिला क्रिकेट में भी यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं।

हरमनप्रीत ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 121 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे। इससे पहले वह इसी मैदान पर वनडे और टी20 इंटरनेशनल में भी अर्धशतक जड़ चुकी थीं। इसी के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट में एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।पुरुष क्रिकेट में कई बल्लेबाजों ने लॉर्ड्स पर टेस्ट और वनडे में अर्धशतक लगाए हैं। युवराज सिंह ने टी20 इंटरनेशनल में भी यहां पचासा लगाया था, लेकिन उन्हें लॉर्ड्स में कभी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। इसलिए वह तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने का यह रिकॉर्ड नहीं बना सके।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा यह मुकाबला लॉर्ड्स में पहला महिला टेस्ट है। ऐसे में हरमनप्रीत कौर इस ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

### टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक

## स्मृति ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड हासिल की बड़ी उपलब्धि

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज लॉर्ड्स, लंदन में खेली जा रही है। इस मैच में इंग्लैंड के टॉस जीतकर भारत को पहले बैटिंग करने को कहा। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन इसके बावजूद टीम की ओपनर स्मृति मंधाना ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अर्धशतक लगाया और एक छक्का व 11 चौकों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुई। भारत ने पहली पारी में अपना पहला विकेट तब गंवा दिया जब टीम का स्कोर सिर्फ 4 रन ही था। टीम की ओपनर शैफाली वर्मा बिना खाता खोले यानी डक पर ही आउट हो गई और उसके ठीक बाद भारत का दूसरा विकेट 37 रन के स्कोर पर गिरा जब यास्तिका भाटिया 12 रन पर आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया।

यही नहीं उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर टीम के लिए 64 रन की अर्धशतकीय साझेदारी भी की। जेमिमा पहली पारी में 35 रन बनाकर आउट हुईं।

### अब फ्रांस से होगा महामुकाबला

# फाबियन रूइज और मेरिनो के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में

**लॉस एंजिलिस, एजेंसी।** फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में स्पेन के लिए फाबियन रूइज और मिकेल मेरिनो ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से चार्ल्स डी केटेलारे ने एकमात्र गोल दागा। अब सेमीफाइनल में स्पेन का सामना मौजूदा उपविजेता फ्रांस से होगा। यह मुकाबला डलास स्टेडियम में खेला जाएगा।

### फाबियन रूइज ने दिलाई शुरुआती बढ़त

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने सभी को चौंकाते हुए पेड्री की जगह फाबियन रूइज को शुरुआती एकादश में मौका दिया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। मैच के 30वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ ने दानी ओल्मो का पहला शॉट रोक लिया, लेकिन रीबाउंड पर फाबियन रूइज ने शानदार फिनिश करते हुए स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद युवा स्टार लामिन यामाल ने भी बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया।

### डी केटेलारे ने बेल्जियम की कराई वापसी

पहले हाफ के अंत से ठीक पहले बेल्जियम ने शानदार जवाब दिया। केविन डी ब्रुने ने शानदार थ्रू पास देकर टिमोथी कास्टान्ये को आगे बढ़ाया। कास्टान्ये के सटीक क्रॉस पर चार्ल्स डी केटेलारे ने 41वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ।

### मेरिनो ने 88वें मिनट में दिलाई जीत

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन निर्णायक पल 88वें मिनट में आया। बेल्जियम के अनुभवी गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ 71वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह आए सेने लामेन्स ने पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। रीबाउंड पर हाल ही में मैदान में उतरे मिकेल मेरिनो ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया और स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम सीटी तक बेल्जियम बराबरी नहीं कर सका और स्पेन ने जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

### अब फ्रांस से होगी टक्कर

इस जीत के साथ स्पेन ने विश्व कप 2026 के अंतिम चार में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला फ्रांस से होगा। दोनों यूरोपीय दिग्गजों के बीच होने वाला यह मैच टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक माना जा रहा है।

### मैच में कौन से रिकॉर्ड बने?

बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन के लगातार 560 मिनट तक गोल नहीं खाने के रिकॉर्ड का अंत किया। इस दौरान सिमोन ने इटली के वाल्टर जेंगा के 1990 विश्व कप में बनाए गए 517 मिनट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। स्पेन ने लगातार 36वां मैच बिना हार के पूरा किया। उसने अर्जेंटीना के 2019-2022 के 36 मैचों के अपराजित रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब उससे आगे केवल इटली का 37 मैचों का अपराजित रिकॉर्ड है।

### अमुंडी एवियन चैंपियनशिप

## अदिति अशोक ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, कट में जगह बनाई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक ने फ्रांस में खेले जा रहे प्रतिष्ठित अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कट में जगह बना ली है। दूसरे दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेलकर अदिति ने 36 होल के बाद कुल दो अंडर पार का स्कोर बनाया और संयुक्त 38वें स्थान पर पहुंच गई। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय गोल्फ के इतिहास में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली।

पहले दौर के बाद चुनौतीपूर्ण स्थिति में मौजूद अदिति ने दूसरे राउंड में बेहतरीन वापसी की। उन्होंने पूरे राउंड में चार बर्डी लगाई, हालांकि इस दौरान तीन बोगी भी कीं। इसके बावजूद उन्होंने एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर आराम से कट में अपनी जगह पक्की कर ली।

यह अदिति अशोक के करियर का 38वां मेजर टूर्नामेंट है। इसके साथ ही वह किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर द्वारा सबसे ज्यादा मेजर टूर्नामेंट खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा, अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में यह नौवीं बार उनकी भागीदारी है और उन्होंने पांचवीं बार कट में जगह बनाने का कारनामा किया है।टूर्नामेंट में इंग्लैंड की लॉटी वोड ने दूसरे दौर में शानदार सात अंडर 64 का कार्ड खेला। 36 होल के बाद उनके नाम कुल 11 अंडर पार का स्कोर है और वह लीडरबोर्ड में पहले स्थान पर काबिज हैं।

### टीम पर भड़के पार्थिव पटेल

## संजू को बाहर करना तर्कहीन वैभव को लेकर निशाना साधा

**नई दिल्ली।** संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका देने को लेकर भारतीय टी20 टीम पर पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को टीम में जगह देना भावनात्मक रूप से सही फैसला है, लेकिन इसके लिए सीनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर करना तर्कहीन है।

पार्थिव पटेल ने यह भी स्वीकार किया कि अतीत में संजू सैमसन को प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रखने के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में उन्हें बाहर करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। पटेल ने जियोस्टार से कहा, 'हमेशा संजू सैमसन को ही क्यों बाहर किया जाता है। अगर आप पिछले 11-12 सालों में संजू सैमसन के करियर को देखें तो एक चीज शुरू से उनका पीछा कर रही है और वह है उनके खेल में निरंतरता का अभाव।'वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला- पार्थिव ने कहा, 'या तो उस खिलाड़ी को बाहर किया जाता है जो तेजी से रन नहीं बना पा रहा हो या फिर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा हो।

# सिर्फ नमस्कार ही नहीं, पूजापाठ की ये क्रियाएं भी दूर करती हैं कई बीमारियां

हिंदू धर्म में पूजापाठ के बाद ईश्वर के सम्मुख हाथ जोड़कर यह प्रार्थना की जाती है कि हे भगवान हमें सुख समृद्धि के साथ अच्छी सेहत भी प्रदान करें। इतना ही नहीं भारतीय परंपरा में अपने से बड़ों और मेहमानों का अभिवादन भी हाथ जोड़कर नमस्कार करके किया जाता है। जब से कोरोना वायरस ने पांव पसारे हैं, तब से सारी दुनिया हाथ मिलाने की बजाए हाथ जोड़ने पर जोर दे रही है। यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप भी अपने मेहमानों का स्वागत हाथ जोड़कर कर रहे हैं, लेकिन हम आपको बता दें कि हिंदू धर्म में सिर्फ हाथ जोड़ना ही नहीं, बल्कि कुछ और भी ऐसी क्रियाएं हैं तो कई बीमारियों को दूर रखती हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में-

## एक्यूप्रेशर का लाभ

हथेलियों में शरीर के अन्य अंगों की नसों के भी बिंदू होते हैं, जिन्हें एक्यूप्रेशर पाइंट कहा जाता है। ताली बजाने से इन बिंदुओं पर दबाव पड़ता है और इनसे संबंधित अंगों में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे वे बेहतर काम करने लगते हैं। ताली बजाना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

## ऊं के उच्चारण से इन बीमारियों में लाभ

ऊं के उच्चारण से उत्पन्न होने वाली तरंगें दिमाग को शांत करने के साथ ही मन को सुकून पहुंचाती हैं। ओम का उच्चारण करने से गले में वाइब्रेशन होती है, जिससे थाइरॉयड प्रॉब्लम से बचा जा सकता है। ओम का उच्चारण करने से स्ट्रेस और घबराहट जैसी समस्या दूर होती हैं। रोज इस जाप को करने से लंग्स, बीपी, और ब्लड सर्कुलेशन इम्प्रूव होता है। इससे हार्ट भी हेल्दी रहता है।

## आरती के वक्त ताली बजाने के लाभ

ईश्वर की पूजा करते हुए ताली बजाने का चलन है। भगवान की स्तुति, भक्ति, आरती आदि धर्म-कर्म करते हुए ताली बजाई जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इससे भगवान प्रसन्न होते हैं। विज्ञान के अनुसार ताली बजाना एक प्रकार का व्यायाम ही है, ताली बजाने से हमारे पूरे शरीर में खिंचाव होने लगता है और हमारे शरीर की मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं। कुछ ही देर में हमारे शरीर से पसीना आना शुरू हो जाता है और पूरे शरीर में एक अलग तरह की ऊर्जा पैदा हो जाती है।

## घंटी बजाने से नष्ट होते हैं वायरस

विज्ञान कहता है कि घंटी बजाने से वातावरण में कंपन्न पैदा होती है। इससे आस-पास के माहौल में स्थित जीवाणु, विषाणु मर जाते हैं। जहां सुबह शाम मंदिर की घंटी बजाई जाती है, वहां का वातावरण शुद्ध रहता है। इस ध्वनि के पीछे सेहत से जुड़ा कारण है कि यह ध्वनि हमारे मन को शांत करने में मददगार होती है, जिससे मानसिक तनाव का स्तर घटता है। जब हम इस ध्वनि से उत्पन्न कंपन्न को शांत मन से महसूस करते हैं तो हमारा बीपी नियंत्रित होता है।

# घर की ये मामूली सी दिखने वालीं वस्तुएं डालती हैं आपकी किस्मत पर बड़ा असर

वास्तु का घर की खुशहाली, परिवार की सेहत और धन संपन्नता से सीधा वास्ता है। वास्तु से जुड़ी छोटी-छोटी बातें घर पर अच्छा और बुरा प्रभाव डालती हैं। घर में इस्तेमाल में आने वाली कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिनकी अनदेखी घर में नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं। जिनसे घर में तनाव उत्पन्न होने लगता है। लोग बीमार पड़ने लगते हैं, पैसों की कमी हो जाती है। आइए जानते हैं कौन सी हैं ये वस्तुएं-

## झाड़ू को ऐसे न रखें

घर में झाड़ू को मां लक्ष्मी का दर्जा दिया जाता है और इसका सीधा संबंध घर की आर्थिक स्थित से होता है। झाड़ू का अनादर करना, टूटी हुई झाड़ू को रखना और झाड़ू से पैर लगाना बहुत ही गलत प्रकार का व्यवहार माना जाता है। जो कि सीधे तौर पर वास्तु दोष को बताता है। झाड़ू को घर में ऐसे स्थान पर रखना चाहिए, जो सबकी नजरों से दूर रहे। सूर्यास्त के वक्त कभी भी घर में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए। ऐसा करने से दरिद्रता आती है।

## कैंची रखें ऐसे

कैंची का संबंध राहु से माना जाता है और यह घर वालों के आपसी रिश्ते प्रभावित करती है। कभी भी खाली कैंची नहीं चलानी चाहिए। ऐसा करने से आपके रिश्तों में दरार पड़ सकती है। कैंची को सदैव कपड़े में लपेटकर किसी छिपे स्थान पर रखना चाहिए। अगर कोई पड़ोसी कैंची मांगने आता है तो उसे उधार न दे, ऐसा करने से उसके साथ संबंध खराब होते हैं।

## चाकू से होता है ऐसा

चाकू घरों में अक्सर रसोई में ही रखा जाता है, किंतु ध्यान रखें कि चाकू हमेशा उल्टा करके रखें। उसके धार वाले हिस्से को नीचे की ओर रखें। इससे आप संतान पक्ष से खुश रहेंगे। ध्यान रखें कि घर में कभी भी ऐसे चाकू छुरी नहीं रखने चाहिए, जिनका आप इस्तेमाल न करते हों। ऐसा होने से आपके घर में दरिद्रता के साथ ही दांपत्य संबंधों में भी कड़वाहट आनी शुरू हो जाती है। घर में आपस में भी किसी के हाथ में चाकू सीधे नहीं पकड़ाना चाहिए।

## घर के जूते चप्पल

घर में प्रयोग होने वाले जूते चप्पलों का प्रयोग सीधे शनि महाराज से ताल्लुक रखता है। ध्यान रखें, घर में कभी भी जूते-चप्पल इधर-उधर बिखेरकर नहीं रखना चाहिए। इससे आप शनि के कोपभाजन का शिकार भी हो सकते हैं। इतना ही नहीं बाहर से आते वक्त जूते सदैव घर के बाहर उतारकर घर में प्रवेश करना चाहिए, इससे बाहर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर ही रह जाती है, लेकिन ध्यान रखें कि कभी भी मुख्य द्वार के सामने जूते नहीं उतारने चाहिए।

## पांवदान नहीं होना चाहिए ऐसा

घर के मुख्य द्वार पर पांवदान कभी भी गंदा नहीं होना चाहिए। उसे रोजाना झाड़ू लगाने के बाद झाड़कर वापस डाल देना चाहिए। उसके आस-पास कूड़ा बिल्कुल भी न जमा होने दें। रोजाना ईश्वर से अपने घर आगमन की प्रार्थना करनी चाहिए। पांवदान पर किसी तरीके स्वास्तिक या फिर अन्य कोई भी धर्म से जुड़ा चिह्न नहीं होना चाहिए।

# वक्त रहते बदल दें अपनी ये आदतें, नहीं तो बना सकती हैं कंगाल

आदतें अच्छी या बुरी कैसे भी हो सकती हैं, लेकिन कुछ आदतें व्यक्ति के जीवन को इस कदर प्रभावित करती हैं कि वह हर समय तकलीफ और समस्याओं से ही जूझता रहता है। जी हां वास्तु शास्त्र में इसका उल्लेख मिलता है, लेकिन यह भी कहा गया है कि अगर समय रहते ही इन आदतों में सुधार कर लिया जाए तो ये लाइफ को खुशियों की तमाम सौगात भी दे सकती है। ऐसी ही कुछ आदतों का हम यहां जिक्र कर रहे हैं, यदि आप भी जाने-अंजाने ऐसा करते हैं तो कोशिश करें अपनी इन खराब आदतों को बदलने की, जिससे आपका जीवन खुशहाल हो जाएगा।

## आप भी ऐसे तो नहीं करते बात

आपने अक्सर ही घर पर बड़े-बुजुर्गों को यह कहते सुना होगा कि शांति से बात करनी चाहिए। किसी से कभी भी चिल्लाकर बात नहीं करनी चाहिए, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जोर से या फिर चिल्लाकर किसी से भी बात करना क्यों गलत होता है? वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि ऐसा करने से शनि दोष का प्रभाव बढ़ता है। जीवन में सबकुछ उल्टा-पुल्टा होने लगता है। विरोधियों की संख्या बढ़ने लगती है। बेवजह की टेंशन बढ़ती है और काम भी बिगड़ने लगते हैं, लेकिन शांति और स्नेह से बात करने से शनि देव प्रसन्न होते हैं। यही नहीं अगर जीवन में कुछ परेशानियां भी हैं तो वह भी खत्म होने लगती हैं।

## यह आदत तो बिल्कुल ही खराब है



आपने किताबों में पढ़ा होगा या फिर घर-परिवार में बड़े-बुजुर्गों से सुना होगा कि जल्दी सोना और जल्दी उठना सेहत के लिए अच्छा होता है, लेकिन आजकल देर से सोना और देर तक सोना एक अलग तरह का स्टेट्स सिंबल माना जाने लगा है। हालांकि कई बार लोग काम अधिक होने का भी तर्क देते हैं। जिसके चलते देर रात सोना होता और देर सुबह से उठना होता है, लेकिन वास्तु शास्त्र में इस आदत को पूरी तरह से गलत बताया गया है। कहा जाता है कि इससे व्यक्ति का स्ट्रेस बढ़ता है और मानसिक तकलीफें बढ़ती हैं। कई बार सेहत में भी लगातार गिरावट होने लगती है।

## ऐसा करने से रूठ ही जाती हैं मां लक्ष्मी

आपने अक्सर ही ऐसे लोगों को देखा होगा जो अपने आस-पास देखे बिना कहीं भी थूक देते हैं। वास्तु शास्त्र में इस आदत को तुरंत ही बदल डालने के बारे में कहा गया है। इसके मुताबिक ऐसा करने वालों से मां लक्ष्मी हमेशा के लिए रूठ जाती हैं। इन्हें जीवन भर पैसों और मान-सम्मान की तंगी झेलनी पड़ती है। इससे कई बार डिप्रेशन तक का शिकार हो जाते हैं। वहीं कभी इन्हें किसी के चलते पैसा या मान-सम्मान मिल भी जाए तो वह इनकी इसी आदत के चलते ज्यादा देर तक नहीं ठहरता। इसलिए ऐसी आदत को जितनी जल्दी हो बदल देना ही उचित होता है।

## इनका भूले से भी न करें अपमान

आपने यह तो सुना ही होगा कि अपने से बड़ों का हमेशा ही सम्मान करना चाहिए। धर्मशास्त्र भी यही कहते हैं। मान्यता है कि जिस घर में बड़े-बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है उनके जीवन में कभी भी किसी भी तरह की परेशानी नहीं आती, लेकिन अगर कोई बड़े-बुजुर्गों का अपमान करता है। उनके साथ ऊंची आवाज में बात करता है। या फिर उनका ख्याल नहीं रखता।

तो ऐसे लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि की कमी बनी ही रहती है। मां लक्ष्मी ऐसे लोगों पर कभी भी कृपा नहीं करतीं, लेकिन अगर आप बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करते हैं, उनका ख्याल रखते हैं मां लक्ष्मी के साथ ही सभी देवी-देवताओं की कृपा बरसती है। जीवन में किसी भी बात की कोई कमी नहीं होती।

## ऐसा करने से घटने लगता है मान-सम्मान

वास्तु शास्त्र में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया है। कहा जाता है जितनी सफाई रखी जाए मां लक्ष्मी उतनी ही मेहरबान होती हैं, लेकिन यह केवल घर या फिर कपड़ों की नहीं, बल्कि पैरों की भी होनी चाहिए। कहते हैं कि पैर जितने साफ रखें जाएं, किस्मत उतनी ही अच्छी होती है, लेकिन अधिकतर लोग अपने चेहरे का तो ख्याल रखते हैं, लेकिन पैरों पर ध्यान नहीं जाता। वास्तु के मुताबिक अगर किसी के पैर गंदे होते हैं तो उसके मान-सम्मान में कमी होती है। मानसिक तनाव भी बढ़ता है। साथ ही एक के बाद एक समस्या लगी ही रहती है।

## दान पुण्य के ये कार्य बिगाड़ देंगे आपकी आर्थिक स्थिति

दान पुण्य के कार्यों के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आय का कुछ हिस्सा अवश्य निकालना चाहिए। धार्मिक उपदेशों में अक्सर ऐसी बातें कही जाती हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि अनजाने में किया गया दान आपको पुण्य देने की बजाए कंगाल बना सकता है। ज्योतिष की मशहूर लाल किताब में दान से जुड़े कुछ ऐसे नियमों के बारे में बताया गया है, जिनको जानना हर व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी है।

**पीली वस्तुओं का दान:** अगर आपकी कुंडली में सूर्य मजबूत स्थिति में है तो आपको भूलकर भी सोना, गेहूं और तांबे जैसी पीली वस्तुओं का दान नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपका बलशाली सूर्य कमजोर हो सकता है। इससे कार्यक्षेत्र में परेशानी, धन का अभाव और स्वास्थ्य की हानि हो सकती है।

**चंद्रमा इस भाव में हो तो :** अगर आपकी कुंडली में चंद्रमा द्वितीय और चतुर्थ भाव में हो तो आपको भूलकर भी दूध, चांदी, मोती या फिर चावल जैसी सफेद वस्तुओं का दान नहीं करना चाहिए। यहां तक कि दोस्तों और रिश्तेदारों को उपहार के रूप में भी नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से आपके घर में तंगी पांव पसार सकती है।

**अगर मंगल हो मजबूत :** अगर आपकी राशि में मंगल मजबूत स्थिति में है तो आपको भूलकर भी दान में मीठी चीजें, शहद या फिर लाल वस्तुएं नहीं देनी चाहिए। ऐसा करने से आपके ऊपर ही विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और आपके ग्रहदोष कम होने की बजाए आपकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

**जिनका बुध मजबूत हो:** जिन जातकों की कुंडली में बुध मजबूत स्थिति में हो उन्हें, किसी भी व्यक्ति को कलम या फिर पैन उपहार के रूप में भी नहीं देना चाहिए। यहां तक कि उस व्यक्ति को हरी दाल या फिर हरे वस्त्र भी किसी को नहीं देने चाहिए। ऐसा करने से बुध उनके ऊपर उल्टा प्रभाव छोड़ सकता है।

**अगर बृहस्पति हो बलशाली:** अगर आपकी राशि के लिए देवों के गुरु बृहस्पति बलशाली हों तो आपको किसी को भी अपने हाथ सोने की वस्तुएं उपहार में नहीं देनी चाहिए। पीले कपड़े और केसर की बनी चीजें भी किसी को भूल से न दें।

**शुक्र के मजबूत होने पर:** अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में शुक्र अच्छी स्थिति में है तो उसे किसी दूसरे को रेडिमेड कपड़े, परफ्यूम या फिर आभूषण नहीं देने चाहिए। ऐसा करने से उनके दांपत्य जीवन में परेशानियां आ सकती हैं और भौतिक सुविधाओं में कमी आ सकती है।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

**धनु** (ये यो भा भी भू): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे

संरक्षक: संजय शुक्ला,( सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

## काकुरो पहेली - 3945

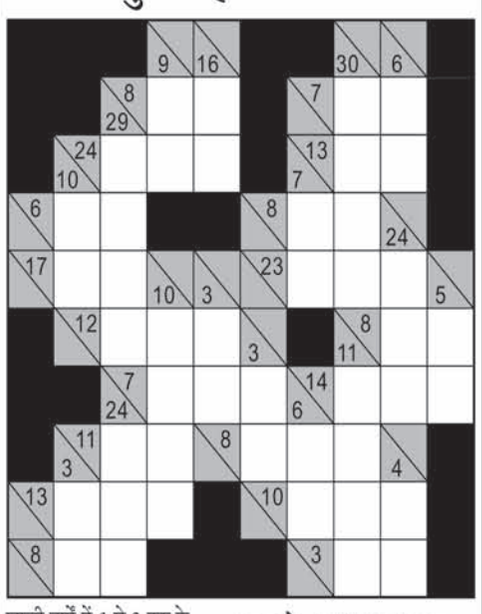

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:



## काकुरो - 3944 का हल



## हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.'

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना !''

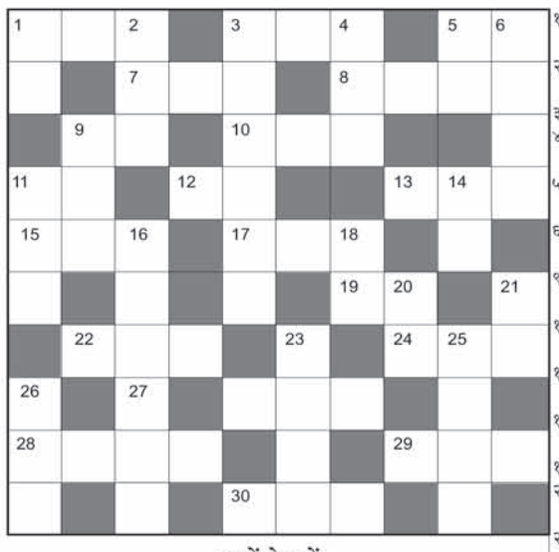

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली- 3945



**बायें से दायें:-**

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली- 3944



## सूडोकु -3945

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | | 1 | | 2 | | 3 | 8 |
| | | | 4 | | 5 | | | |
| 2 | | | | | | | | 5 |
| | | 3 | | 5 | | 4 | 8 | |
| | 7 | | | | | | 1 | |
| | 5 | 8 | | 6 | | 9 | | |
| 8 | | | | | | | | 1 |
| | | | 2 | | 9 | | | |
| 3 | 4 | | 6 | | 7 | | 5 | 2 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -3944 का हल

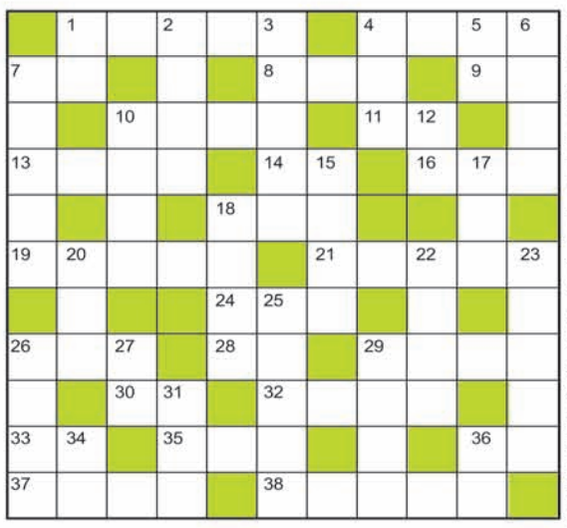

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 6 | 2 | 3 | 5 | 8 | 9 | 1 | 7 |
| 8 | 1 | 7 | 9 | 2 | 6 | 3 | 5 | 4 |
| 3 | 5 | 9 | 1 | 7 | 4 | 8 | 2 | 6 |
| 6 | 4 | 1 | 5 | 3 | 7 | 2 | 8 | 9 |
| 2 | 7 | 5 | 8 | 4 | 9 | 6 | 3 | 1 |
| 9 | 3 | 8 | 2 | 6 | 1 | 4 | 7 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 6 | 9 | 5 | 7 | 4 | 8 |
| 5 | 9 | 4 | 7 | 8 | 2 | 1 | 6 | 3 |
| 7 | 8 | 6 | 4 | 1 | 3 | 5 | 9 | 2 |

## शब्द पहेली - 3945



**बाएँ से दाएँ**

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

**ऊपर से नीचे**

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

### शब्द पहेली -3944 का हल



सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुद्दीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी